epaper.dehatsandesh.com

3 रेशम उत्पादन तकनीक में प्रगति पर दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

5 अटारी बाघा सीमा से हीरो एलआईएल के शीर्ष स्कोरर बनने तक: प्रेरणादायक रही जुगराज सिंह की कहानी

8 कद्दू वर्गीय प्रमुख सब्जियाँ

मौसम जम्मू न्यूनतम 7 अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-34 | जम्मू तवी, बुधवार 05 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

भूटान नरेश संग मुख्यमंत्री ने संगम में लगाई पावन डुबकी

महाकुम्भ का वैभव देख अभिभूत हुए भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक

महाकुम्भ नगर, 4 फरवरी। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई। भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही लखनऊ पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहीं मंगलवार को नामग्याल वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री प्रयागराज पहुंचे और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। भूटान नरेश संगम में आस- था की डुबकी लगाने के बाद अक्षय वट और बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन के लिए गये। दोनों नेताओं ने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र का भी दौरा किया।

सदी के सबसे बड़े आयोजन महाकुम्भ 2025 में स्नान के लिए पूरी दुनिया लालायित है। इसी क्रम में भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भी गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाने प्रयागराज पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें त्रिवेणी संगम पर विधिवत स्नान और पूजा-अर्चना कराई। जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही थिम्फू से लखनऊ पहुंचे थे, जहां सीएम योगी ने उनका स्वागत किया। संगम में स्नान-ध्यान के उपरांत भूटान नरेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्षयवट का दर्शन करने पहुंचे। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान जी के मंदिर में मत्था टेका। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान मंदिर के नजदीक बने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र पहुंचकर महाकुम्भ के दिव्य-भव्य और डिजिटल स्वरूप का भी अवलोकन किया। भूटान नरेश का यह दौरा भारत-भूटान मित्रता एवं सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

महाकुम्भ नगर में भूटान नरेश की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ के महंत जगद्गुरू संतोष दास (सतुआ बाबा) सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

हमने गरीबों को मजबूत बनाने का काम किया : मोदी

नयी दिल्ली, 04 फरवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह गरीबी को जानते हैं और गरीब का दर्द समझते हैं, इसलिए उनकी सरकार ने गरीबी की समस्या के समाधान की कई योजनाएं बनाई हैं और गरीबों को फायदा पहुंचाने का काम पारदर्शी तरीके से किया है। श्री मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर दो दिन चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार न सिर्फ गरीबों के हित के लिए काम कर रही है बल्कि पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक पैसे की बचत कर रही है और उस पैसे का इस्तेमाल विकास के काम में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों की समस्या के समाधान के लिए स्वास्थ्य कार्ड, शौचालय, हर में नल से जल, मृदा स्वास्थ्य कार्ड से न केवल गरीब लोगों के जीवन आसान हुआ है बल्कि उन्हें हजारों करोड़ रुपए की बचत हो रही है। डिजीटली प्रौद्योगिकी के जरिए कल्याणकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में डालकर लोगों को उसका पूरा लाभ मिला है साथ ही करोड़ों की संख्या में फर्जी लाभार्थियों की छंटाई हुई है। श्री मोदी ने कहा कि पहले गांव में महिलाएं खुले में शौच जाने के लिए सूर्योदय से उठ जाती थीं और उनकी सरकार ने इन लोगों की समस्याओं को करीबी से समझा है उनके लिए 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय का निर्माण कर उनकी समस्या का समाधान करने का प्रयास किया है। कुछ नेताओं का फोकस घरों पर स्टाइलिस्ट सावर आदि पर होता है, लेकिन हमारा फोकस हर घर जल पहुंचाने का रहा है। हमारी सरकार ने पांच साल में 12 करोड़ घरों में नल से जल देने का काम किया है और वह काम तेजी से आगे भी बढ रहा है। हमने गरीबों केहितों के लिए काम किया है और यही वजह है कि राष्ट्रपति ने अपने भाषण में इसकी चर्चा की है। उन्होंने नाम लिए बिना विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला किया और कहा कि कुछ लोग गरीब के घरों पर फोटो सेशन करवा कर अपना मनोरंजन करते हैं इसलिए उन्हें संसद में गरीबों की बात बोरिंग ही लगती है। पिछले दस साल में उनकी सरकार का प्रयास समस्या के समाधान का रहा है और इसीलिए वह समर्पित होकर काम भी करते हैं। उनका कहना था कि एक पूर्व प्रधानमंत्री ने देश में भ्रष्टाचार की समस्या को पहचाना इसलिए उन्होंने कहा कि दिल्ली से एक रुपया जाता है तो गांव तक 15 पैसा ही पहुंचता है।

जेलों में बंद आतंकवादियों तक सिम पहुंचाने और तस्करी में शामिल पांच संदिग्ध हिरासत में

श्रीनगर, 4 फरवरी। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) के अधिकारियों ने मंगलवार को विभिन्न जेलों में बंद आतंकवादियों को सिम कार्ड पहुंचाने और तस्करी में शामिल पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

एक बयान में पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आज पुलिस स्टेशन सीआईके के मामले में दर्ज एफआईआर की जांच के संबंध में पांच व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इन पर आरोप है कि जो राष्ट्र विरोधी तत्वों के साथ रची गई आपराधिक साजिश में शामिल थे। इन सभी पर सिम कार्ड की खरीद कर केंद्रीय जेल परिसर में कैदियों तक पहुंचाने के अलावा तस्करी आदि के कई गंभीर आरोप हैं। पुलिस इनसे पूछताछकर रही है।

प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस थाना सीआईके ने पहले सेंट्रल जेल परिसर के अंदर तलाशी ली थी और पाया गया था कि इन संदिग्धों ने कुछ कैदियों के साथ मिलकर कई तरह की आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए सिम कार्ड खरीदे और जेल के अंदर ले गए। इन सिम कार्ड को जारी करने वाले विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के पीओएस व विक्रेताओं की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसमामले में अभी और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए संदिग्ध दाऊदपोरा अनंतनाग, कमरवारी श्रीनगर, नाथपोरा, कलूसा, बांदीपोरा और कुरसुपाद शाहीबाग श्रीनगर के इलाकों के रहने वाले हैं।

जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 04 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में 05 फरवरी तक हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

मौसम विभाग जम्मू-कश्मीर के एक अधिकारी ने बताया कि आज मौसम सामान्य रूप से बादल छाए रहने की संभावना है और 5 फरवरी की सुबह तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि 05 फरवरी की दोपहर से मौसम में सुधार की उम्मीद है उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर में चिनाब घाटी और पीरपंजाल रेंज के ऊंचे इलाकों में 8-10 इंच तक बर्फबारी हो सकती है।

बेहीबाग आतंकी हमला केंद्र के जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति के दावों को चुनौती देता है : फारूक

श्रीनगर, 04 फरवरी । नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने आज कहा कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के बेहीबाग गांव में अज्ञात आतंकवादियों द्वारा किया गया हमला केंद्र के जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति के दावों को चुनौती देता है।

वह जम्मू में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। डॉ. फारूक ने कहा कि संसद के अंदर और बाहर ढोल पीटने वालों से सवाल है कि क्या आतंकवाद का सफाया हो गया है और जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति लौट आई है। सोमवार को आतंकवादियों ने कुलगाम जिले के बेहीबाग इलाके में एक पूर्व सैन्यकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी और उसकी पत्नी और भतीजी को घायल कर दिया।

डॉ. फारूक ने कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर में अभी भी आतंकवादी गतिविधियां हो रही हैं तो केंद्र सरकार को तथ्यों पर सफाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दिन-रात दावा कर रही है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म हो गया है। लेकिन यह हकीकत नहीं है। केंद्र सरकार को स्थिति पर सफाई देनी चाहिए। एक सवाल का जवाब देते हुए एनसी अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली में चुनाव होने दीजिए, सब कुछ साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले भाजपा दावा कर रही थी कि वे जम्मू-कश्मीर में चुनाव जीतेंगे लेकिन जब नतीजे आए तो क्या हुआ। वह दावा कर रहे थे कि वे ऊपर और नीचे से उभरेंगे लेकिन लोगों ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। इसलिए दिल्ली में चुनाव होने दीजिए और नतीजे आने दीजिए, सब कुछ साफ हो जाएगा।

मुख्य सचिव ने जम्मू की पर्यटन क्षमता को अनुकूलित करने के लिए बहु-आयामी रणनीति अपनाने पर जोर दिया

जम्मू 04 फरवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने खासकर कटरा जम्मू में श्री माता वैष्णो देवी तीर्थ पर आने वाले लगभग एक करोड़ तीर्थयात्रियों के मद्देनजर पर्यटन खिलाड़ियों सहित सभी हितधारकों की एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रमुख सचिव वित्त, आयुक्त सचिव पर्यटन, सचिव लोक निर्माण विभाग, सीईओ एसएमवीडीएसबी, उपायुक्त जम्मू, उपायुक्त रियासी, एमडी जेकेटीडीसी, निदेशक पर्यटन जम्मू और विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने होटल व्यवसायियों, ट्रांसपोर्टरों और अन्य पर्यटन खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों से इस तीर्थस्थल पर आने वाले तीर्थयात्रियों को क्षेत्र भर में फैले अन्य धार्मिक या पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित करने के तरीकों और साधनों के बारे में सुझाव लिए। अटल डुल्लू ने कहा कि जम्मू और उसके आसपास के स्थानों को बढ़ावा देने में पर्यटन खिलाड़ियों की भी भूमिका है। उन्होंने उन्हें प्रत्येक गंतव्य के लिए ठोस सुझाव और योजनाएं पेश करने का सुझाव दिया। उन्होंने उन्हें उनके द्वारा प्रस्तावित प्रत्येक स्थान की खूबियों के आधार पर 2, 3 या 4 दिन का पैकेज बनाने की सलाह दी। उन्होंने आगे उनसे प्रत्येक पैकेज में आध्यात्मिक, पर्यावरण-पर्यटन, अवकाश, भोजन, संस्कृति और साहसिक पहलुओं सहित गतिविधियों के मिश्रण पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने उन्हें श्री वैष्णो देवी यात्रा के साथ-साथ कई टोकरियाँ चढ़ाने का आदेश दिया ताकि लोग अपनी पसंद और रुचि के अनुसार चयन कर सकें।

जवान की हृदय गति रुकने से मौत

श्रीनगर, 04 फरवरी । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में तैनात सीआरपीएफ जवान की हृदय गति रुकने से दुखद मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार यह घटना मंगलवार सुबह हुई जब सीआरपीएफ की ई/37वीं बटालियन में कार्यरत गुजरात के विष्णु नामक जवान ने सीने में तेज दर्द की शिकायत की।

अधिकारियों ने बताया कि उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में रेफर किया गया लेकिन दुर्भाग्य से उसे मृत घोषित कर दिया गया।

करोड़ों की ठगी के आरोप में कंपनी के सीईओ समेत पांच लोगों पर मामला दर्ज

जम्मू, 4 फरवरी। जम्मू क्राइम ब्रांच ने जम्मू के निवासियों को लुभाने और उनसे 2.95 करोड़ रुपये ठगने के आरोप में एक कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी समेत पांच शीर्ष अधिकारियों पर मामला दर्ज किया है। यहां सोमवार को एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं जबकि सभी शिकायतकर्ता जम्मू के हैं। पीड़ितों में सतवारी के पुरुषोत्तम कुमार और नौ अन्य ने क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी व्यक्ति राहुल वर्मा, राजीव वर्मा दोनों गुरदासपुर पंजाब के रहने वाले हैं। कंपनी के सीईओ प्रदीप सैनी, हरियाणा के रमन अवस्थी, हिमाचल प्रदेश के ऋषि शर्मा, शिमला हिमाचल प्रदेश और अन्य ने शिकायतकर्ताओं से संपर्क किया और उन्हें न्यूयॉर्क लाइव ट्रेड बिजनेस प्लान के नाम और शैली के तहत एक निवेश योजना से अवगत कराया। आरोपी व्यक्तियों ने खुद को कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के रूप में पेश किया और उन्हें विश्वास दिलाया कि कंपनी इंग्लैंड और वेल्स के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के साथ पंजीकृत है और कंपनी अधिनियम 2006 के तहत एक निजी कंपनी के रूप में शामिल है जिसका पंजीकृत कार्यालय इंग्लैंड और वेल्स में है। प्रवक्ता के अनुसार आरोपी व्यक्तियों ने शिकायतकर्ताओं को लुभाया कि वे कंपनी में निवेशक या नेटवर्कर बनकर भारी मुनाफा कमा सकते हैं क्योंकि यह निवेशकों के पैसे को फॉरेक्स, क्रिप्टो, कमोडिटी ट्रेडिंग और शेयर ट्रेडिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करता है। उन्होंने कहा कि आरोपी व्यक्तियों के आश्वासन पर शिकायतकर्ताओं ने कंपनी में नामांकन कराया और कंपनी के साथ नेटवर्किंग करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी एक साइट पर काम करती थी और शिकायतकर्ताओं ने नेटवर्किंग का विकल्प चुना और उन्हें अपनी अलग-अलग आईडी आवंटित की गई जिससे वे अपने पैसे के साथ-साथ अन्य लोगों के पैसे भी निवेश करते थे प्रत्येक शिकायतकर्ता के पास एक टीम थी जिसे उन्होंने नेटवर्किंग के माध्यम से बनाया था और 2023 में सभी चीजें बढ़िया चल रही थीं क्योंकि कंपनी शिकायतकर्ताओं को समय पर भुगतान कर रही थी और उनका कमीशन भी समय पर आ रहा था इसलिए शिकायतकर्ताओं ने नकद के माध्यम से भी बड़ी राशि का निवेश किया और अचानक न्यूयॉर्क लाइव ट्रेड बिजनेस प्लान की ऑपरेटिंग साइट बंद हो गई।

पूर्व सैनिक की हत्या मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया

श्रीनगर, 04 फरवरी । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को एक पूर्व सैनिक की हत्या के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ सहित सुरक्षाबलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए प्रयास तेज कर दिए। गांव और आस-पास के इलाकों मेंकई स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान बडी संख्या में लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

कुलगाम जिले के बेहीबाग इलाके में सोमवार देर शाम बंदूकधारियों ने पूर्व सैनिक मंजूर अहमद पर उनके घर में घुसकर गोलियां चलाईं। वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। हमले में उनकी पत्नी और भतीजी भी घायल हो गईं। घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस और सेना के अधिकारी स्थिति का आकलन करने के लिए मौके पर पहुंचे। इलाके की तुरंत घेराबंदी की गई और हमलावरों को भागने से रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद गांव और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। सुरक्षाकर्मी घने बगीचों, रिहायशी इलाकों और संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ले रहे हैं।

'सरकार कैंसर रोगियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध'

जम्मू 04 फरवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार कैंसर रोगियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके बेहतर इलाज के लिए जम्मू और श्रीनगर में राज्य कैंसर संस्थान दोनों में सभी प्रकार की उन्नत सुविधाएं स्थापित की जाएंगी।

मंत्री ने यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक दिवसीय सम्मेलन मिशन कैंसर - आने वाले दशक में कैंसर के खिलाफजम्मू-कश्मीर की लड़ाई को संबोधित करते हुए ये बात कही।

विश्व कैंसर दिवस मनाने के लिए जीएमसी जम्मू द्वारा 'बीसीपीबीएफ-द कैंसर फाउंडेशन' और 'फ्रेंड्स ऑफ जीएमसी जम्मू' के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला, सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, निदेशक स्किमस डॉ. अशरफ गनई, प्रिंसिपल जीएमसी जम्मू डॉ. आशुतोष गुप्ता, जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. समीर कौल, एएससीओएमएस जम्मू के निदेशक, विभिन्न विशिष्टताओं के डीन, एचओडी, डॉक्टर और शोधकर्ता और बड़ी संख्या में मेडिकल और पैरामेडिकल छात्र भी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए सकीना इत्तू ने जम्मू-कश्मीर में कैंसर की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कैंसर के बोझ को कम करने में शीघ्र पता लगाने, उन्नत उपचार बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। मंत्री ने कहा कैंसर सिर्फ एक चिकित्सीय चुनौती नहीं है, यह एक सामाजिक और आर्थिक संकट है जो पूरे जम्मू-कश्मीर में हजारों परिवारों को प्रभावित करता है।

बहुप्रतीक्षित कमरवारी पुल इस साल मार्च तक आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा :सज्जाद नकीब

श्रीनगर, 04 फरवरी । कमरवारी-नूरबाग क्षेत्र में भीड़भाड़ से जूझ रहे यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत की बात यह है कि बहुप्रतीक्षित कमरवारी पुल इस साल मार्च तक आम लोगों के इस्तेमाल के लिए खोल दिया जाएगा, इस बात की पुष्टि मंगलवार को सेंट्रल कश्मीर के मुख्य अभियंता सड़क एवं भवन (आरएंडबी) सज्जाद नकीब ने की। 14 साल से अधिक समय से निर्माणाधीन यह पुल अब अपने अंतिम चरण में है जिसका लगभग 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। नकीब ने कहा कि केवल 20 से 25 दिन का काम बाकी है। देरी मुख्य रूप से प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण हुई जिसके कारण हमें निर्माण रोकना पड़ा। अब मौसम में सुधार होने के बाद हम बाकी काम पूरा कर लेंगे और इस साल मार्च में इसे आम लोगों के लिए खोल देंगे। यह पुल ऐतिहासिक सीमेंट ब्रिज का विस्तार है जिसे मूल रूप से जनवरी में खोला जाना था। हालांकि, सर्दियों के महीनों में शून्य से नीचे के तापमान ने निर्माण प्रयासों को धीमा कर दिया। कमरवारी-नूरबाग पुल के निर्माण में बार-बार देरी हो रही है जिससे निवासियों और दैनिक यात्रियों को काफी असुविधा हो रही है। शुरू में 2009 में स्वीकृत इस परियोजना से कमरवारी, नूरबाग और श्रीनगर के आस-पास के इलाकों के बीच यातायात प्रवाह को कम करने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करने की उम्मीद थी। हालांकि फंडिंग की कमी, ठेकेदार के मुद्दों के कारण परियोजना कई समयसीमाओं से चूक गई। कमरवारी-नूरबाग पुल के खुलने से श्रीनगर के सबसे व्यस्त गलियारों में से एक में यातायात की भीड़भाड़ में काफी कमी आने की उम्मीद है। वर्तमान में हज़ारों वाहन कमरवारी में एक ओवरलोड पुल से गुजरते हैं जिससे अक्सर पीक ऑवर्स के दौरान लंबा ट्रैफ़िक जाम हो जाता है। नए पुल से यात्रा के समय को कम करने और शहर के मध्य और उत्तरी हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण लिंक के रूप में काम करने की उम्मीद है।

सरकार बागवानी को बढ़ावा देने, व्यापारियों, उत्पादकों के कल्याण हेतु प्रतिबद्धः जावेद डार

जम्मू 04 फरवरी। कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जावेद अहमद डार ने जम्मू-कश्मीर में बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने और फल व्यापारियों और उत्पादकों के कल्याण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मंत्री ने यह बात फल मंडी नरवाल में जम्मू फ्रूट ट्रेडर्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए की।

बैठक के दौरान फल व्यापारियों के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों और बागवानी क्षेत्र को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की गई।

मंत्री ने कहा कि बागवानी क्षेत्र सरकार के लिए एक प्राथमिक क्षेत्र है और रहेगा क्योंकि यह जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शुरुआत में, मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में बागवानी क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि क्षेत्र की लगभग 70 से 80 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र से जुड़ी हुई है। उन्होंने जोर दिया फ्हजारों लोग बागवानी गतिविधियों के माध्यम से अपनी आजीविका कमाते हैं, और सरकार उत्पादकों और व्यापारियों के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। हम कल्याणकारी पहलों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की निरंतर वृद्धि और समृद्धि सुनिश्चित करेगी।फ्

बैठक के दौरान, मंत्री ने जम्मू स्थित व्यापारियों को समर्थन देने के लिए, विशेष रूप से पीक सीजन के दौरान, सेब की उपज के लिए अतिरिक्त भंडारण स्थान की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार किया। व्यापारियों की वास्तविक चिंताओं को पहचानते हुए, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस आवश्यकता को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान करने का निर्देश दिया।

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडेंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. **अनुचित डाइट प्लैन:** आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।
2. **ब्रेकिगं प्वांइट:** यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।
3. **व्यायाम की सही योजना:** अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।
4. **कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण:** वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।
5. **हार्मोनल असंतुलन:** अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता शिविर

कठुआ 04 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने धलोटी, राजबाग में डीआरडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिक्स में नए आपराधिक कानूनों बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया। आपराधिक कानूनों में नवीनतम विकास के बारे में समुदाय, विशेषकर युवाओं को शिक्षित और संवेदनशील बनाने के अपने चल रहे प्रयासों के तहत पुलिस स्टेशन राजबाग ने नए आपराधिक कानूनों, अर्थात् भारत न्याय संहिता, भारत न्याय सुरक्षा संहिता और भारत सुरक्षा अधिनियम अधिनियम, सिविक एक्शन प्रोग्राम 2024-25 के तहत पुलिस स्टेशन राजबाग के डीआरडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिक्स धलोटी क्षेत्र में पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस स्टेशन राजबाग द्वारा एसडीपीओ बॉर्डर और एसएचओ पुलिस स्टेशन राजबाग के मार्गदर्शन में किया गया

स्थानीय किसानों की सहायता के लिए पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

जम्मू, 4 फ़रवरी (हि.स.)। एक महत्वपूर्ण आउटरीच प्रयास में भारतीय सेना ने पशुपालन विभाग, मालू, राजौरी के सहयोग से क्षेत्र में पशुधन के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और स्थानीय किसानों को पशु कल्याण के बारे में शिक्षित करने के लिए एक पशु चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस शिविर में मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. खालिद नजीब के साथ चार डॉक्टरों और पांच परिचारकों की एक टीम ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कुल 116 नागरिकों ने भाग लिया जिन्हें पशु देखभाल, नि:शुल्क दवाओं और परामर्श पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन का लाभ मिला।

यह पहल पशुधन स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करके स्थानीय समुदायों का समर्थन करने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जो सीधे क्षेत्र में किसानों की आजीविका को प्रभावित करती है। पशु चिकित्सा शिविर ने न केवल चिकित्सा सहायता प्रदान की बल्कि भारतीय सेना और स्थानीय आबादी के बीच बंधन को भी मजबूत किया।

एक सप्ताह तक चलने वाले उद्यमशीलता कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन

जम्मू, 4 फ़रवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) ने एक सप्ताह तक चलने वाले उद्यमशीलता कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन किया जिसका उद्देश्य छात्रों को आवश्यक व्यावसायिक कौशल से लैस करना है। इस कार्यक्रम में प्रमुख उद्योग और शैक्षणिक नेताओं की उपस्थिति देखी गई जिन्होंने स्टार्टअप की सफलता में स्थिरता, गुणवत्ता और ईमानदारी के महत्व पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि सत पाल अबरोल, पलावन समूह, जम्मू और कश्मीर के निदेशक ने एक ब्रांड की बाजार उपस्थिति को बनाए रखने में ईमानदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। आईआईएम जम्मू के प्रोफेसर जावीर अली ने व्यवसाय की सफलता को बढ़ावा देने में स्टार्टअप इकोसिस्टम और उद्यमशीलता दक्षताओं की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। इस बीच प्रबंधन संकाय के डीन प्रोफेसर आशुतोष वशिष्ठ ने गतिशील उद्यमों को आकार देने में व्यवसाय ऊष्मायन केंद्रों के महत्व को समझाया।

प्रोफेसर सुप्रण कुमार शर्मा द्वारा समन्वित कार्यक्रम में केस स्टडी विश्लेषण, सफल उद्यमियों के साथ बातचीत, फैक्ट्री का दौरा और रोल प्ले शामिल होंगे। बीबीए, एमबीए और बी.टेक सहित विविध क्षेत्रों के प्रतिभागियों को उद्योग और शिक्षा दोनों से विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्रों से लाभ मिलेगा। यह पहल पीएम-यूएसएचए योजना के तहत वित्तीय सहायता से संचालित की जा रही है। अपनी शुभकामनाएँ देते हुए एसएमवीडीयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) प्रगति कुमार ने छात्रों को स्टार्टअप डोमेन में कौशल वृद्धि के लिए इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। टीबीआईसी एसएमवीडीयू के सीईओ डॉ. संजय मोहन ने टीबीआईसी की गतिविधियों का अवलोकन प्रदान किया जबकि एसएमवीडीयू के एसओसीएसई प्रमुख डॉ. सुनंदा ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

पर्यटन निदेशक डॉ. विकास गुप्ता से की भेंट

जम्मू, 4 फ़रवरी (हि.स.)। श्री कैलाश ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने आज पर्यटन निदेशक, जम्मू, डॉ. विकास गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने जम्मू-कश्मीर में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर विस्तृत चर्चा की। महंत रोहित शास्त्री ने पर्यटन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विभाग की सक्रिय पहल से जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने धार्मिक स्थलों के संरक्षण, आध्यात्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने और पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर अपने सुझाव भी दिए। पर्यटन निदेशक डॉ. विकास गुप्ता ने पर्यटन क्षेत्र के सुधार और विस्तार हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि जम्मू के धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए विभाग लगातार कार्य कर रहा है। भेंट के दौरान दोनों ने जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और स्थानीय धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक के अंत में महंत रोहित शास्त्री ने पर्यटन निदेशक और उनकी टीम को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई दी और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ये प्रयास जारी रहेंगे।

जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू ने विश्व कैंसर दिवस मनाया

जम्मू, 4 फ़रवरी (हि.स.)। विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू ने छात्रों और शिक्षकों को कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और उपचार की प्रगति के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में जीएमसी जम्मू के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. राजेश सिंह भाऊ ने संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत प्रो. बाल कृष्ण ने की जिन्होंने कैंसर से निपटने में जागरूकता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. वंदना खजूरिया और डॉ. नरिंदर कुमार के साथ-साथ प्रतिष्ठित संकाय सदस्य, डॉ. देविंदर कुमार शर्मा, (संयोजक करियर और परामर्श प्लेसमेंट सेल), डॉ. बृंदर कुमार, प्रो. किरण बाला, (एचओडी, बायो-टेक्नोलॉजी), डॉ. नेहा शर्मा (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी), डॉ. सुखदीप सिंह सासन और प्रो. अरविंद कुमार शामिल थे। अपने संबोधन में डॉ. राजेश सिंह भाऊ ने कैंसर के जोखिम कारकों, शीघ्र निदान के महत्व और ऑन्कोलॉजी में नवीनतम प्रगति पर जानकारीपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से जागरूकता फैलाने और कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों को अपनाने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

गुज्जर और बक्करवाल के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किया

जम्मू, 4 फ़रवरी (हि.स.)। स्थानीय समुदायों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने सौनी-मरहा में गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के लिए एक संवाद और जागरूकता सत्र आयोजित किया। सत्र का उद्देश्य उपस्थित लोगों को वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) और डेरा प्रवास प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करना था साथ ही उनके सामने आने वाली किसी भी चुनौती का समाधान करना था। यह संवाद रीति-रिवाजों और परंपराओं की आपसी समझ को बढ़ाने और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने का अवसर था। जागरूकता को और अधिक फैलाने के लिए उपस्थित लोगों के बीच एफआरए पर सूचनात्मक पर्चे वितरित किए गए। सत्र में 37 गुज्जर और बक्करवाल और तीन बच्चों सहित कुल 40 व्यक्तियों ने भाग लिया।

जेकेआरईजीपी के तहत 75 ऋण मामलों को मंजूरी दी

डोडा 04 फरवरी (हि.स.)। योजना के तहत ऋण मामलों की समीक्षा और अनुमोदन के लिए जम्मू और कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम पर जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक जिला विकास आयुक्त हरविंदर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी परमजीत सिंह, सीपीओ मनेश कुमार मन्हास, जिला समाज कल्याण अधिकारी तारिक काजी, एएलसी नेहल पंडित, एआरटीओ शीतल शर्मा, जोनल मैनेजर जेके बैंक, जिला उद्योग केंद्र, रोजगार विभाग, एसबीआई, जेएंडके बैंक, पॉलिटेक्निक कॉलेज और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

शुरुआत में जिला अधिकारी ने समिति को जेकेआरईजीपी योजना के बारे में जानकारी दी और जेकेआरईजीपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 97 आवेदकों की एक सूची साझा की। समिति ने सभी मामलों की जांच की, और उपस्थित 75 आवेदकों से उनके प्रस्तावित व्यावसायिक उद्यमों के संबंध में साक्षात्कार लिया गया।

रेशम उत्पादन तकनीक में प्रगति पर दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

पुंछ 4 फरवरी (हि.स.)। पुंछ परिसर में रेशम उत्पादन तकनीक में प्रगति पर दो दिवसीय संगोष्ठी मंगलवार को शुरू हुई। कार्यशाला का आयोजन जम्मू विश्वविद्यालय के पुंछ परिसर के रेशम उत्पादन पीजी विभाग द्वारा रेशम उत्पादन में प्री.कोकून और पोस्ट.कोकून तकनीक में हालिया रुझान और प्रगति विषय पर किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्देश्य शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों को रेशम उत्पादन प्रथाओं में हालिया प्रगति और नवाचारों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

संगोष्ठी का उद्घाटन पुंछ परिसर के निदेशक प्रो. राकेश वैद ने वर्चुअल मोड के माध्यम से किया। अपने उद्घाटन संदेश में प्रो. वैद ने रेशम उत्पादन उद्योग में क्रांति लाने में प्री.कोकून और पोस्ट.कोकून तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों और शोधकर्ताओं को समकालीन ज्ञान और कौशल से लैस करने में संगोष्ठी की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सीखने और सहयोग को बढ़ावा देने वाले ऐसे प्रभावशाली कार्यक्रम के आयोजन के लिए रेशम उत्पादन पीजी विभाग के प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीएसटीआरआई, मीरान साहिब, जम्मू के वैज्ञानिक.डी डॉ. एन.एस. गहलोत थे। विषय पर विस्तृत भाषण देते हुए डॉ. गहलोत ने कोकून के बाद रेशम उत्पादन में नवीनतम नवाचारों और उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाने के लिए उनके अनुप्रयोग के बारे में बताया। उन्होंने कोकून से पहले और कोकून के बाद की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में आधुनिक तकनीकों की भूमिका के बारे में भी जानकारी साझा कीए जिससे किसानों और हितधारकों के लिए उच्च आर्थिक लाभ सुनिश्चित हो सके। डॉण् आरती शर्मा सहायक प्रोफेसर, एसकेसी.जीडीसीए पुंछ ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने रेशम उत्पादन में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्नत वैज्ञानिक तरीकों के साथ पारंपरिक प्रथाओं के एकीकरण के बारे में बात की और क्षेत्र में छात्रों के लिए कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

नशा मुक्ति अभियान पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ 04 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने मॉडल एचएसएस बसोहली में सिविक एक्शन प्रोग्राम 2024-25 के तहत नशा मुक्ति अभियान पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें बसोहली के 13 स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। वरिष्ठ वर्ग में वीर सावरकर एचएसएस स्कूल की मिशिका अरोड़ा, एमएचएसएस बसोहली की गुनगुन और एमएचएसएस की निशा रानी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीते। जूनियर वर्ग में रामिष्ट ट्विंकलिंग स्टार एचएसएस की अपराजिता, सेंट ऐनी कॉन्वेंट हाई स्कूल बसोहली की अवंतिका राजपूत और वीर सावरकर एचएसएस स्कूल की कनिष्का रानी ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीते। विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया जबकि वाद-विवाद प्रतियोगिता के सभी 25 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में 300 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

गोविंद सरीन ने बलबीर को माता वैष्णो देवी पर एक पुस्तक भेंट की

जम्मू 04 फरवरी (हि.स.)। प्रसिद्ध साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार गोविंद सरीन ने भाजपा प्रवक्ता और पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रतन को हिंदी लिखित पुस्तक श्री माता वैष्णो देवी एक अलौकिक सिद्ध पीठ भेंट की। इस पुस्तक में विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए ग्यारह अध्याय शामिल हैं जिनमें माता वैष्णो देवी गुफा का इतिहास, भक्त श्रीधर और बाबा भैरवनाथ, मां कोल कंडोली मंदिर, मां देवा माई मंदिर, भूमिका मंदिर, दर्शनी ड्योढ़ी, बाण गंगा, चरण पादुका मंदिर, अर्धकुवारी शामिल हैं। यह पुस्तक एक प्रमुख डोगरी लेखिका डॉ. नीलम सरीन द्वारा लिखी गई है जो साहित्य अकादमी के अखिल भारतीय डोगरी बोर्ड और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, कटरा, जम्मू और कश्मीर की सदस्य हैं

यशपाल निर्मल द्वारा अनूदित पुस्तक का विश्व पुस्तक मेला दिल्ली में लोकार्पण

जम्मू, 04 फरवरी। प्रतिष्ठित डोगरी साहित्यकार एवं सम्मानित अनुवादक यशपाल निर्मल द्वारा प्रतिष्ठित व्यंग्यकार और साहित्यकार श्री लालित्य ललित की मूल हिंदी से डोगरी में अनूदित पुस्तक जित्थूं तगर नजर जंदी ऐ का आज विश्व पुस्तक मेला, न?ई दिल्ली में सर्व भाषा ट्रस्ट के स्टाल नंबर 18 (हाल नंबर 2) पर लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सर्व भाषा ट्रस्ट के संयोजक श्री केशव मोहन पांडेय जी, पुस्तक के मूल लेखक श्री लालित्य ललित जी, डॉ हरिसुमन बिष्ट (पूर्व सचिव, हिंदी अकादेमी, दिल्ली सरकार) प्रो. राजेश कुमार (पूर्व निदेशक राष्ट्रीय ओपन स्कूल भारत सरकार) रणविजय राव (संयुक्त निदेशक, लोक सभा सचिवालय) तरींद्र कौर, पंजाबी कवयित्री और अनुवादक, सोनी लक्ष्मी राव आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए पुस्तक के मूल लेखक श्री लालित्य ललित ने कहा कि अनुवाद साहित्य में एक पुल का काम करता है। यशपाल निर्मल मूल लेखन के साथ साथ विभिन्न भाषाओं में अनुवाद कार्य करके साहित्यिक सेतु निर्माण का कार्य कर रहे हैं, जो एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने अपनी पुस्तक के डोगरी अनुवाद पर बात करते हुए कहा कि यह उनकी दूसरी पुस्तक है जो डोगरी भाषा में प्रकाशित हुई है। इस से पहले उनके व्यंग्य संग्रह 卐 पांडेय होर आखदे न卐 का भी यशपाल निर्मल ने डोगरी भाषा में अनुवाद प्रकाशित किया है।

सर्व भाषा ट्रस्ट के संयोजक श्री केशव मोहन पाण्डेय ने सभी अतिथियों का विधिवत धन्यवाद किया और सर्व भाषा ट्रस्ट द्वारा डोगरी भाषा में प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सर्व भाषा ट्रस्ट के राष्ट्रीय शोध निदेशक यशपाल निर्मल के मार्गदर्शन में न सिर्फ डोगरी बल्कि देश भर की विभिन्न भाषाओं तक अपनी पंहुच बनाने में सफल रहा है।

UTHALA

SH. MUKESH KAPOOR

WITH PROFOUND GRIEF AND SORROW, WE REGRET TO INFORM THE DEMISE OF **SH. MUKESH KAPOOR** S/o Late Sh GOVERDHAN LAL KAPOOR R/o Colonels Colony, Lane no 3 Talab Tillo
Uthala will be performed **On 5th Feb 2025** (Wednesday) at Gurudwara Taali Sahib, Talab Tillo, Jammu at 3.00 pm

GRIEF STRICKEN
Smt RITA KAPOOR - (WIFE)
Sh AAKARSHIT KAPOOR -(SON)
AAKANKSHA AND JATTAN S. GILL - (DAUGHTER & SON IN LAW)
SMRITI W/o late Sh DINESH KAPOOR - (SISTER IN LAW)
Sh ANIL KAPOOR & SHIKHA - BROTHER & SISTER IN LAW
Smt. KUSUM BALI W/o Lt Sh ASHOK BALI (SISTER)
Smt. NAMRATA BEHL & ANOOP BEHL (SISTER AND BROTHER IN LAW)
Sh KULBHUSHAN LAl KAPOOR (Chacha ji)
Mrs & Dr S. C.Kapoor (UK) Chachi ji & Chacha ji
ALL KAPOOR & CHOWDHARY FAMILIES
CONTACT NO. 7006275455, 7889836159.

फिक्की एफएलओ जेकेएल और सीयूजे ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

जम्मू, 4 फ़रवरी (हि.स.)। फिक्की एफएलओ जम्मू कश्मीर और लद्दाख (जेकेएल) चैप्टर और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) ने कौशल, उद्यमिता संवर्धन, स्वास्थ्य और कल्याण तथा महिला सशक्तिकरण पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। सीयूजे के कुलपति प्रोफेसर संजीव जैन के मार्गदर्शन में इस साझेदारी का उद्देश्य महिला छात्रों को उद्योग-संबंधित कौशल से लैस करना है जिससे उन्हें शिक्षा से कॉर्पोरेट जगत में जाने में मदद मिलेगी। एमओयू पर फिक्की-एफएलओ जेकेएल की अध्यक्ष रुचिका गुप्ता और सीयूजे के रजिस्ट्रार प्रो. यशवंत सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर फिक्की-एफएलओ जेकेएल की कोर टीम के सदस्य मौजूद थे जिनमें आरती चौधरी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), सोना मेहता (कोषाध्यक्ष) और नंदिता बजाज (संयुक्त कार्यकारी सचिव) के साथ-साथ स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज के प्रोफेसर जया भसीन, डॉ. शाहिद मुश्ताक और डॉ. आसिफ अली जैसे संकाय सदस्य शामिल थे।

कार्यक्रम में बोलते हुए प्रो. संजीव जैन ने सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई जिसमें सिंगल गर्ल चाइल्ड श्रेणी के लिए प्रति विभाग एक सीट आरक्षित करना और रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए बाजार संचालित पाठ्यक्रम पेश करना शामिल है। रुचिका गुप्ता ने फिक्की एफएलओ जेकेएल की यंग वूमेन एफिनिटी ग्रुप (वाईडब्ल्यूएजी) पहल पर प्रकाश डाला जो उच्च शिक्षा में महिलाओं को उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास का समर्थन करने के लिए मार्गदर्शन और कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है।

प्रो. यशवंत सिंह ने सहयोग के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि इससे छात्रों में उद्यमशीलता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

प्रो. जया भसीन ने इस बात पर जोर दिया कि साझेदारी से छात्रों को अपने उद्यमशीलता और नवाचार कौशल को बढ़ाने में मदद मिलेगी। डॉ. शाहिद मुश्ताक ने सीयूजे के व्यावसायिक और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में विस्तार से बताया जिसमें इसकी सेक्शन 8 कंपनी, सीयूजे साइट काउंसिल शामिल है जो महत्वाकांक्षी उद्यमियों को इनक्यूबेशन सहायता प्रदान करती है।

एमओयू छात्रों की व्यावसायिक सूझबूझ, शिक्षण पद्धतियों और नेटवर्किंग अवसरों को मजबूत करने के लिए कार्यशालाओं, सेमिनारों और प्रशिक्षण सत्रों की सुविधा प्रदान करेगा। इस पहल से सीयूजे में महिला छात्रों को अपनी उद्यमशीलता क्षमता दिखाने और क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान देने के लिए एक मंच मिलने की उम्मीद है।

Union Territory of Jammu and Kashmir
Office of the Executive Engineer, Mechanical & Hospital Division Udhampur
(E-mail- xenmdudh@gmail.com)

NOTICE INVITINGTENDER

For and on behalf of Lt. Governor, of Jammu & Kashmir (UT) e-tenders are invited in two cover system, from reputed and registered firms for the job mentioned below:-

.	Description of work	N.I.T No	Estimated/ Approved Cost (in Lacs)	Earnest Money/ Performance Security	Cost of tender documents	Time of completion	Eligibility Criteria of Bidder	Tender Receiving Authority
01	Annual Fitness / General Repairs with Replacement of Defective Parts of Truck No JK14B 5273 and Truck No JK14B 8272 Tender ID 2025_PWDJK_271621_1	ENIT No: MHDU/TS/ 2024-25/97 Dated: 03/02/2025 Due on: 10/02/2025	1.875 (Lacs)	Earnest Money 2% of estimated amount, amounting to Rs. 3,750/- only shall be submitted by all Participating Bidder in the shape of CDR/FDR/TDR/BG. Performance Security 5% of the contract value shall be submitted by the lowest Bidder before the allotment of work order in the shape of CDR/FDR/TDR/BG.	Rs. 200/- (Fixed Amount) in the shape of challan through J&K Govt. Treasury indicating treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to MH-0059(PWD) Misc. Revenue and uploading a copy of treasury challan/receipt on e-tendering portal OR The bidder may deposit tender fee in shape of e-challan through Account No. 0028010200000009, J&K Bank, Udhampur, of Executive Engineer Mechanical Division Udhampur)	10 (Ten days)	Registered/ Reputed Mechanical firms having sufficient experiences for the similar nature work	Executive Engineer Mechanical & Hospital division Udhampur

Position of Funds:-(Available)
Position of AA/Tech. Sanction:-(Accorded)

The e-NIT consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, terms & conditions, Bill of Quantities can be seen / downloaded from the J&K govt. website www.jktenders.gov.in
No: MHDU/TS/ 3496 Dated:- 03/02/2025

-sd-
(Er. Daljeet Singh)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Udhampur

DIP/J-9834/24
Dtd: 4-2-2025

संपादकीय

जम्मू रेलवे स्टेशन को सुलभ और सुगम बनाएं

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा स्वयं दिए गए इस बयान से कि जम्मू-कश्मीर में रेलवे प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है, उन यात्रियों में उम्मीद की किरण जगी है जो इस क्षेत्र में आने वाली ट्रेन सेवाओं से कश्मीर की यात्रा करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, यह बयान कश्मीर जाने वाले सभी यात्रियों को कटरा रेलवे स्टेशन पर अपनी ट्रेन बदलने और उन विशेष ट्रेनों में सवार होने के लिए कहने के निर्णय को सही ठहराने के लिए दिया गया है, जो कटरा से दिल्ली की ओर आने वाली और जाने वाली ट्रेनों के बगल वाले प्लेटफॉर्म पर खड़ी होंगी।

रेल मंत्री ने कहा कि स्विट्जरलैंड सहित दुनिया के कई देशों की तरह, घाटी में चलने वाली ट्रेनें कटरा से आगे चलने वाली ट्रेनों से अलग होंगी क्योंकि घाटी के लिए चलने वाली ट्रेनों में कठोर जलवायु और अन्य कारकों से निपटने के लिए कुछ खास विशेषताएं होंगी, जो देश के अन्य हिस्सों में आम नहीं हैं।

रेलवे की इस पूरी बात में दम है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि रेल मंत्री को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दिल्ली-श्रीनगर के बीच महत्वपूर्ण जम्मू रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की प्रक्रिया में बुजुर्ग, बीमार और अकेले भारी सामान के साथ आने वाले यात्रियों की पहुंच एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि वर्तमान में यहां की स्थिति दयनीय है, क्योंकि सुरक्षा कर्मचारी वाहनों को मुख्य प्रवेश द्वार के पास यात्रियों को उतारने और चढ़ाने की अनुमति नहीं देकर स्थिति को और खराब कर रहे हैं। वाहनों की पार्किंग के लिए रखी गई जगह में बुनियादी मानकों का अभाव है, फर्श खुरदरा होने के कारण कोई भी अपने सामान के पहियों का उपयोग नहीं कर सकता है, इसके अलावा कई सीढ़ियां उन लोगों के लिए और भी मुश्किल बना देती हैं जो शारीरिक रूप से इतने मजबूत नहीं हैं कि वे अपना सामान उठा सकें। लोगों की परेशानी यहीं खत्म नहीं होती, क्योंकि पार्किंग स्थल पर कई कुली इंतजार करते हैं और निराश यात्रियों को लूटते हैं, क्योंकि वे जो दरें बताते हैं, वे नासा और इसरो द्वारा अंतरिक्ष में अपने उपग्रह भेजने के इच्छुक देशों को दिए जाने वाले किराए से भी अधिक हैं। समय की मांग है कि जम्मू के नए रेलवे स्टेशन में एक सुरक्षित क्षेत्र हो, जहां जम्मू सहित देश के विभिन्न हवाई अड्डों की तरह वाहनों को यात्रियों को उतारने और चढ़ाने की अनुमति हो, तथा कथित तौर पर तीन से बढ़ाकर सात किए जा रहे प्लेटफॉर्म को न केवल शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए बल्कि सभी के लिए सुलभ बनाया जाना चाहिए, क्योंकि वर्तमान व्यवस्था पुरानी है, जिसमें लोगों को ट्रेन आने-जाने वाली जगह तक पहुंचने से पहले सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई होती है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है और इसे पूरा किए बिना रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास करने का कोई मतलब नहीं है। रेलवे को सभी रेलवे स्टेशनों को इसी तरह से बनाने का प्रयास करना चाहिए, जिसमें गतिशीलता संबंधी चुनौतियों वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त संख्या में रैंप, लिफ्ट या निर्दिष्ट सुलभ स्थान स्थापित किए जाएं।

चिंताजनक है बच्चों के साथ समय न बिताना

–प्रियंका सौरभ

वे सामाजिक स्थितियों से दूर रहना शुरू कर सकते हैं, जिससे उन्हें और भी अकेलापन महसूस हो सकता है। कभी-कभी, वे सिर्फ़ ध्यान आकर्षित करने के लिए कुछ कर सकते हैं, भले ही वह नकारात्मक ही क्यों न हो। बच्चों को पर्याप्त ध्यान न देना उनके मस्तिष्क के विकास और स्कूल में उनके प्रदर्शन को भी नुकसान पहुँचा सकता है, क्योंकि वे सीखने के लिए प्रेरित या प्रोत्साहित महसूस नहीं कर सकते हैं।

जब बच्चों को बातचीत करने का मौका नहीं मिलता है, तो यह उनके भाषा कौशल और समग्र सोचने की क्षमताओं को धीमा कर सकता है क्योंकि वे महत्वपूर्ण सीखने के क्षणों से चूक जाते हैं।

बच्चों के साथ पर्याप्त समय न बिताना और उनकी बातों को अनदेखा करना उन्हें बहुत तनाव में डाल सकता है। उन पर चिल्लाना या बात करने से पहले उन्हें दोष देना उनके तनाव को बढ़ाता है और उन्हें अपने प्रियजनों से नाराज़ भी कर सकता है। उनके अच्छे और बुरे दोनों गुणों को अनदेखा करने से अवसाद की भावनाएँ पैदा हो सकती हैं। साथ ही, उन्हें दूसरे बच्चों के साथ घूमने न देना या खराब ग्रेड के लिए शिक्षकों द्वारा आलोचना किए जाने से वे भारी निराशा में डूब सकते हैं। दुख की बात है कि कुछ बच्चे इन दबावों के कारण आत्महत्या करने के बारे में भी सोचते हैं। यह बात बच्चों के साथ हमारी चर्चाओं के दौरान सामने आई, जिन्होंने अपने माता-पिता से जुड़ी कई समस्याओं को साझा किया। हमने उनके परिवारों से भी बात की और पाया कि इनमें से कई बच्चे एकल-अभिभावक वाले घरों से आते हैं। बड़े परिवारों से ज़्यादा बच्चे नहीं थे लेकिन जो थे, उनका आपस में संवाद बेहतर था, खासकर दादा-दादी के साथ। माता-पिता अक्सर अपने बच्चों से सही व्यवहार की उम्मीद करते हैं, जिससे दबाव और भी बढ़ जाता है।

जबकि बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को सीमित करना अच्छा है, माता-पिता को अपने फोन के इस्तेमाल को नियंत्रित करने और अपने बच्चों के लिए भी समय निकालने की ज़रूरत है। यह परीक्षा अवधि के दौरान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हमारी चर्चा के दौरान बच्चों ने अपने माता-पिता से जुड़े कई मुद्दों का उल्लेख किया। किसी बच्चे को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करना लंबे समय में उसके भावनात्मक, सामाजिक और सोचने के कौशल को प्रभावित कर सकता है। बच्चों को लग सकता है कि वे ज़्यादा मूल्यवान नहीं हैं या कोई उनसे प्यार नहीं करता, जिससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुँच सकती है। नज़रअंदाज़ किए जाने से वे बेचैन और दुखी भी हो सकते हैं और कुछ मामलों में, यह गंभीर अवसाद का कारण भी बन सकता है। वे या तो खुद पर या उनकी देखभाल करने वाले लोगों पर गुस्सा हो सकते हैं और यह गुस्सा उनके गुस्से या आक्रामकता के रूप में सामने आ सकता है। बच्चों को अच्छी दोस्ती बनाने में मुश्किल हो सकती है क्योंकि वे संवाद करना या दूसरों के साथ घुलना-मिलना नहीं सीखते हैं।

वे सामाजिक स्थितियों से दूर रहना शुरू कर सकते हैं, जिससे उन्हें और भी अकेलापन महसूस हो सकता है। कभी-कभी, वे सिर्फ़ ध्यान आकर्षित करने के लिए कुछ कर सकते हैं, भले ही वह नकारात्मक ही क्यों न हो। बच्चों को पर्याप्त ध्यान न देना उनके मस्तिष्क के विकास और स्कूल में उनके प्रदर्शन को भी नुकसान पहुँचा सकता है, क्योंकि वे सीखने के लिए प्रेरित या प्रोत्साहित महसूस नहीं कर सकते हैं। जब बच्चों को बातचीत करने का मौका नहीं मिलता है, तो यह उनके भाषा कौशल और समग्र सोचने की क्षमताओं को धीमा कर सकता है क्योंकि वे महत्वपूर्ण सीखने के क्षणों से चूक जाते हैं। वे असुरक्षित लगाव शैलियों के साथ समाप्त हो सकते हैं, जो वयस्कों के रूप में उनके भविष्य के रिश्तों और भावनात्मक कल्याण को प्रभावित कर सकता है। यह सब भावनात्मक उपेक्षा बाद में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की संभावना को बढ़ा सकती है। इसलिए, संक्षेप में, एक बच्चे की अनदेखी करने से बहुत सारी नकारात्मक भावनाएं, सामाजिक संघर्ष, व्यवहार संबंधी समस्याएं और सीखने की समस्याएं हो सकती हैं।

देखभाल करने वालों के लिए बच्चों पर ध्यान देना, उन्हें स्वस्थ रूप से बड़ा होने के लिए आवश्यक समर्थन और संचार देना बहुत महत्वपूर्ण है। बात करना बहुत ज़रूरी है, साथ ही ज़रूरत पड़ने पर दयालु होना भी ज़रूरी है! जितना हो सके अपने बच्चे को अपने काम में शामिल करने की कोशिश करें। उन पर ध्यान दें और उनकी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल हों; इससे आप दोनों के बीच नज़दीकियाँ बढ़ेंगी। बच्चे स्वाभाविक रूप से अपने माता-पिता का ध्यान और स्वीकृति चाहते हैं, इसलिए समझदार माता-पिता इसका इस्तेमाल अपने बच्चों को अलग-अलग तरीकों से सहयोग करने के लिए करते हैं। अनुशासन का मतलब है सिखाना और सीखना। अपने बच्चों को यह समझने में मदद करने के लिए कि उन्हें क्या जानना चाहिए और ज़रूरत पड़ने पर उनके व्यवहार को सुधारने के लिए, आपको उनसे इस तरह बात करनी होगी कि वे आपका सम्मान करें और समझें। इस महत्वपूर्ण पेरेंटिंग कौशल पर कुछ बेहतरीन सुझावों के लिए, एडेल फ़ार्बर की किताब 卐हाउ टू टॉक सो किड्स विल लिसन एंड हाउ टू लिसन सो किड्स विल टॉक卐 देखें।

और याद रखें, किसी भी तरह की सज़ा जैसे मारना, शर्मिंदा करना, अलग-थलग करना, चिल्लाना या डांटना बिलकुल भी नहीं है। ये चीज़ें आपके बच्चे को नुकसान पहुँचा सकती हैं और उनकी आत्मा को चोट पहुँचा सकती हैं। अच्छे माता-पिता अपने बच्चों को शब्दों और तर्क की शक्ति के बारे में सिखाते हैं, जिससे उन्हें ज़िम्मेदार, दयालु व्यक्ति बनने में मदद मिलती है जो तर्कसंगत तरीके से व्यवहार करना जानते हैं। परिवार अपने बच्चों को जो सहायता प्रदान करते हैं, चाहे वह सही हो या गलत, कभी-कभी उन्हें सही रास्ते से भटका सकता है। बच्चों में सहनशीलता और आदर्शों के मूल्यों को स्थापित करना आवश्यक है। घर और स्कूल दोनों में उनके साथ खुले संवाद को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, समय-समय पर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का आकलन करना महत्वपूर्ण है। बच्चों को सही रास्ते पर ले जाने वाला वातावरण बनाना महत्वपूर्ण है, और यह जिम्मेदारी माता-पिता और शिक्षकों से आगे बढ़कर समाज और सरकार को भी शामिल करती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मोदी सरकार के तहत बजट- औपनिवेशिक से भारतीय मानसिकता की ओर बदलाव

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

पिछले दस वर्षों में बजट को विभिन्न करों और आम आदमी के शोषण से संबंधित भय के बारे में जानकारी देने वाले दस्तावेज़ के रूप में देखा जाने वाला दृष्टिकोण सकारात्मक रूप से बदल गया है। बजट में दीनदयाल उपाध्याय जी के सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्र प्रथम उद्देश्यों को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें विकसित भारत और औपनिवेशिक मानसिकता को बदलने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बजट की तिथि और समय में बदलाव ने औपनिवेशिक मानसिकता के अंत की शुरुआत की। 卐स्व-बोध卐 को फिर से स्थापित किया जा रहा है, जो समाज और राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं को बढ़ाएगा। यह लाभकारी बदलाव न केवल राष्ट्र के लिए गौरव लाएगा, बल्कि लंबे समय में बेहतर पर्यावरण और वैश्विक समग्र विकास में भी योगदान देगा।

बजट विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए श्रीमती सीतारमण ने कहा कि, जैसा कि हम पूरे वर्ष और उससे आगे की ओर देखते हैं, हमारा बजट रोजगार, कौशल, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर विशेष जोर देता है। उन्होंने 5 साल की अवधि के दौरान 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य संभावनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 5 योजनाओं और पहलों के प्रधान मंत्री के पैकेज का अनावरण किया। इसके लिए केंद्रीय बजट 2 लाख करोड़ का है। इस वर्ष, शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ निर्धारित किए गए हैं।

65 प्रतिशत युवाओं और लगभग 6 लाख गांवों के साथ, युवाओं, किसानों, मजदूरों और महिलाओं का सशक्तिकरण सामाजिक आर्थिक रूप से मजबूत करने और अंतिम छोर के व्यक्ति को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है। नई सरकार का ध्यान और गतिविधियाँ स्पष्ट रूप से समाज के सभी वर्गों के विकास पर केंद्रित हैं, जिसकी कांग्रेस के शासनकाल में कमी थी। कांग्रेस के प्रभुत्व के दौरान, विदेशी अर्थव्यवस्थाएँ, विशेष रूप से चीन की, मजबूत हुईं। अतः बदलते हुए कदम अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी, उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स, यूनिकॉर्न और सतत विकास के माध्यम से 卐स्व-बोध卐 के इर्द-गिर्द राष्ट्र को आकार देंगे।

बजट प्राथमिकताएँ

वित्त मंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बजट में सभी के लिए पर्याप्त अवसर पैदा करने के लिए निम्नलिखित 9 प्राथमिकताओं पर निरंतर प्रयास करने की परिकल्पना की गई है।

कृषि में उत्पादकता और लचीलापन

रोजगार और कौशल

समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय

विनिर्माण और सेवाएँ

शहरी विकास

ऊर्जा सुरक्षा

बुनियादी ढाँचा

नवाचार, अनुसंधान और विकास और अगली पीढ़ी के सुधार

खेती और ग्रामीण क्षेत्र

अगले दो वर्षों में, देश भर में 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती से परिचित कराया जाएगा, जिसमें प्रमाणन और ब्रँडिंग की सहायता ली जाएगी। 10,000 आवश्यकता-आधारित जैव-इनपुट संसाधन केंद्र विकसित किए जाएंगे। दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए, सरकार उत्पादन, भंडारण और विपणन में सुधार करेगी, साथ ही सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे तिलहनों के लिए आत्मनिर्भरता हासिल करेगी। सरकार, राज्यों के सहयोग से, तीन वर्षों में किसानों और उनकी जोतों को कवर करने के लिए कृषि में डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) को अपनाने की सुविधा प्रदान करेगी। श्रीमती सीतारमण ने इस वर्ष कृषि और संबंधित उद्योग के लिए 1.52 लाख करोड़ आवंटित किए।

समाज का स्वास्थ्य राष्ट्र के विकास को निर्धारित करता है। खेती में इस्तेमाल होने वाले रसायन समाज और किसानों को काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं, गंभीर बीमारियों में वृद्धि से समग्र सामाजिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच रहा है और परिवारों, विशेष रूप से किसानों के लिए आर्थिक अवसर नष्ट हो रहे हैं। बजट में इस मुद्दे पर जोर देने से निस्संदेह समाज की स्वास्थ्य विशेषताओं में सुधार होगा। इससे किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रोजगार उपलब्ध होंगे, क्योंकि विविध कृषि उत्पादों के उत्पादन में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जैसे-जैसे कृषि क्षेत्र बढ़ेगा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था तेजी से राष्ट्र को मजबूत करेगी।

वित्त मंत्री ने घोषणा की कि सरकार बुनियादी अनुसंधान और प्रोटोटाइप विकास के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान कोष को क्रियान्वित करेगी, साथ ही 1 लाख करोड़ के वित्तपोषण पूल के साथ वाणिज्यिक स्तर पर निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक तंत्र स्थापित करेगी, जैसा कि अंतरिम बजट में घोषित किया गया था। अगले दशक में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 5 गुना बढ़ाने के हमारे लक्ष्य का समर्थन करने के लिए 1,000 करोड़ का उद्यम पूंजी कोष स्थापित किया जाएगा।

आज के तकनीकी रूप से उन्नत वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए, अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है। इन मानदंडों पर मोदी सरकार का ध्यान पहले से ही शानदार परिणाम दे रहा है और शिक्षा और अनुसंधान पर विशेष जोर देने के साथ हर क्षेत्र में हमारे विकास को काफी तेज करेगा। एआई पर जोर भविष्य के विकास में भी मदद करेगा।

बुनियादी ढांचा

वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचे के विकास और सुधार में केंद्र सरकार के भारी निवेश का अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। सरकार अगले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण राजकोषीय सहायता बनाए रखने का प्रयास करेगी, साथ ही राजकोषीय पुनर्गठन जैसी अन्य प्राथमिकताओं को भी संबोधित करेगी। इस वर्ष, पूंजीगत व्यय के लिए 11,11,111 करोड़ की प्रतिबद्धता जताई गई, जो हमारे सकल घरेलू उत्पाद का 3.4% है।

पूरे देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास, विशेष रूप से पूर्वोत्तर, जिसे पहले कांग्रेस द्वारा नजरअंदाज किया जाता था, अर्थव्यवस्था की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण रहा है। पहले 67 वर्षों में 1.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से अब 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक तक, केवल दस वर्षों में 2.3 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व को दर्शाती है। जैसे-जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, अर्थव्यवस्था और भी मजबूत होगी।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि यह बजट एमएसएमई और विनिर्माण, विशेष रूप से श्रम-गहन विनिर्माण को प्राथमिकता देता है। स्व-वित्तपोषण गारंटी निधि प्रत्येक आवेदन को 100 करोड़ तक कवर करेगी, जबकि ऋण राशि अधिक हो सकती है। इसी तरह, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय, ऋण के लिए एमएसएमई का आकलन करने के लिए इन-हाउस क्षमताएं विकसित करेंगे। उन्होंने संकट के समय में एमएसएमई को बैंक वित्तपोषण प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक नई प्रक्रिया का भी अनावरण किया।

खाद्य विकिरण, गुणवत्ता और सुरक्षा परीक्षण के लिए एमएसएमई इकाइयाँ

एमएसएमई क्षेत्र में 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण सुविधाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता की पेशकश की जाएगी। एनएबीएल मान्यता के साथ 100 खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना भी सक्षम की जाएगी। एमएसएमई और पारंपरिक शिल्पकारों को अपने उत्पादों को दुनिया भर के बाजारों में बेचने में सहायता करने के लिए, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

रोजगार सृजन और उद्यमिता के मामले में एमएसएमई सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस क्षेत्र में बढ़ी हुई ताकत का मतलब है अधिक रोजगार सृजन, बढ़ा हुआ उत्पादन और एक मजबूत आत्मनिर्भर भारत और स्व-आधारित अर्थव्यवस्था।

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री पैकेज में पांचवीं पहल के रूप में, सरकार पांच साल की अवधि में 500 अग्रणी निगमों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यापक योजना स्थापित करेगी। सरकार का यह निर्णय सबसे अधिक सोचं के साथ और युवा विकासोन्मुखी है, क्योंकि यह कुशल और तकनीकी रूप से कुशल लोगों वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करेगा, साथ ही स्वदेशी तकनीक का समर्थन करने के लिए शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को बढ़ावा देगा। निवेश और नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए, बजट ने सभी वर्गों के निवेशकों के लिए एंजल टैक्स को समाप्त करके उद्यमशीलता की भावना और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया है। क्रूज पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए, घरेलू क्रूज संचालित करने वाली विदेशी शिपिंग कंपनियों के लिए एक सरल कर ढांचे की भी वकालत की गई है। देश में कच्चे हीरे बेचने वाले विदेशी खनन व्यवसाय अब सुरक्षित बंदरगाह की कीमतों का लाभ उठा सकते हैं, जिससे हीरा क्षेत्र को लाभ होता है। इसके अलावा, विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए, विदेशी उद्यमों के लिए निगम कर की दर 40त्न से घटाकर 35त्न कर दी गई। आयकर बैंड में अप्रत्याशित बदलाव, साथ ही 12 लाख रुपये तक के वेतन पर करों का उन्मूलन, मध्यम वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण लाभ है। बजट ने दान के लिए प्रत्यक्ष कर व्यवस्था, टीडीएस दर संरचना और पूंजीगत लाभ कराधान को भी सुव्यवस्थित किया। दान के लिए दो कर छूट प्रणालियों को एक में मिला दिया जाएगा। कई भुगतानों पर 5त्न टीडीएस को घटाकर 2त्न कर दिया जाएगा, और म्यूचुअल फंड या यूटीआई यूनिट पुनर्खरीद पर 20त्न टीडीएस हटा दिया गया है। ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के लिए टीडीएस दर 1त्न से घटाकर 0.1त्न कर दी गई। अब वेतन से काटे गए टीडीएस पर टीसीएस क्रेडिट का भुगतान किया जाएगा। बजट ने टीडीएस विवरण दाखिल करने की नियत तारीख तक टीडीएस भुगतान में देरी को अपराध से मुक्त कर दिया। जल्द ही, टीडीएस चूक के लिए कंपाउंडिंग दिशानिर्देशों को सरल और उचित ठहराने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया विकसित की जाएगी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कुछ आयकर विवादों को हल करने के लिए विवाद से विश्वास योजना, 2024 का प्रस्ताव रखा जो अब अपील में लंबित हैं। उच्च न्यायालयों, सर्वोच्च न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में प्रत्यक्ष कर, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपील दायर करने की मौद्रिक सीमा को क्रमशः 60 लाख, 2 करोड़ और 5 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा, मुकदमेबाजी को कम करने और विदेशी कराधान में स्पष्टता प्रदान करने के लिए, सुरक्षित बंदरगाह विनियमों का दायरा बढ़ाया जाएगा और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण मूल्यांकन प्रणाली को सरल बनाया जाएगा।

रोबोट हमारे परिवार का हिस्सा बन सकते हैं?

डॉ. आर. बी. चौधरी

विज्ञान की निरंतर प्रगति और अकल्पनीय अनुसंधान से समूचा विश्व तेजी से बदल रहा है। आबादी की चुनौतियों के बीच घटती प्रजनन दर और घटती जन्म दर जैसी समस्याएं आधुनिक विज्ञान से टक्कर लेने के लिए तैयार हैं। ऐसी हालत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा है। अब सवाल खड़ा होने लगा है कि क्या रोबोट सचमुच हमारे परिवार का हिस्सा बन सकता है? स्वीडन के उमेओ विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एआई और किन्शिप नामक परियोजना के माध्यम से इस प्रश्न का समाधान ढूंढ़ने में लगे हैं हैं।

अमेरिका से प्रकाशित होने वाली साइंस दिल्ली नामक पत्रिका में प्रकाशित पेपर में डॉ. बेरिट ऑस्ट्रोम ने लिखा है कि यह परियोजना इस बात की जांच करने में लगी है कि काल्पनिक कथाओं जैसे विज्ञान कथा कहानियों और फिल्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात एआई को किस प्रकार बताया और समझाया गया है, ताकि यह समझा जा सके कि हम एआई को क्या अपने जीवन या परिवार के हिस्से के रूप में ऐसी दुनिया की कल्पना कर सकते हैं, जहां रोबोट परिवार का हिस्सा बन सके। डॉ. बेरिट ऑस्ट्रोम ने यह भी लिखा है कि यह परियोजना सिर्फ रोबोट और एआई के बारे में नहीं कार्य कर रही है, बल्कि परिवार और रिश्तों को कैसे बेहतर ढंग से सजाया, संवारा और चलाया जा सकता है, उसपर भी काम कर रही है।

डॉ. ऑस्ट्रोम ने आगे लिखा है कि इसमें कोई दो राय नहीं है जब हमारे घनिष्ठ रिश्ते हमारे समाज का आधार बनते हैं जिसमें देखभाल की जिम्मेदारियों से लेकर जीवन में होने वाली तमाम परिवर्तनकारी निर्णयों तक हर चीज को नियंत्रित करना पड़ता है। उन्होंने आगे लिखा है कि जैसे-जैसे एआई हमारे दैनिक जीवन में जिसमें स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक देखभाल मैं आगे बढ़ रहा है,वैसे-वैसे हम अधिक से अधिक इस पर भरोसा भी कर रहे हैं। यहां तक कि मानव और गैर-मानव(रोबोट) के बीच की सीमाएं तेजी से घटती जा रही हैं। ऐसी स्थिति में जहां यह विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है , वहीं पर हमारे परिवार से लेकर हमारी कम्युनिटी के बीच जगह बनाती हुई एआई की संभावित भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठने लगे हैं।

एआई और नाते-रिश्ते तक पहुंचने की संभावनाओं पर आधारित इस परियोजना की आधारशिला काल्पनिक कथाओं पर गहन शोध कार्य जारी है। अनुसंधानकर्ताओं ने इस विषय में विशेष चिंता की है कि अगर रोबोट घर का सदस्य बन गया तो क्या हमारे विशेष रुचि का ध्यान रख पाएगा और क्या पारिवारिक संबंधों में एआई की क्षमता विद्यमान है। ऐसी दशा में इसमें दो राय नहीं कि जैसे-जैसे जनसंख्या वृद्धि हो रही है, देखभाल करने वालों से लेकर हर परिवार में सभी के सहयोग-सहायता देने वाली सुविधाओं की आवश्यकता बढ़ती जाती है। इस मामले में एआई-संचालित रोबोट और वर्चुअल असिस्टेंट संभवतः इस अंतर को भर सकते हैं तथा मैत्रीपूर्ण व्यवहार, भावनात्मक अनुभव और व्यावहारिक देखभाल प्रदान कर सकते हैं। हालाँकि, इससे परिवार और रिश्तेदारी की प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए जा रहे हैं। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या रोबोट सचमुच हमारे परिवार का हिस्सा हो सकता है या यह हमारे रिश्तों को सहारा देने वाला एक उपकरण मात्र बंद कर रह जाएगा?

जैसे-जैसे एआई हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण हिस्सा होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में यह विचार करना आवश्यक है कि हम इन प्रौद्योगिकियों से कैसे और क्यों जुड़ना चाहते हैं। क्या रोबोट रूपी मां या रोबोट रूपी भाई-बहन या बच्चा हो तैयार किया जा सकता है? क्या, इस तरह की दुनिया जल्दी ही आने वाली है ? एआई या रोबोट के द्वारा तैयार पारिवारिक रिस्ते परियोजना हमें इन सवालों का पता लगाने और एक ऐसे दुनिया की कल्पना साकार हो सकती है, जहां एआई हमारे परिवारों का हिस्सा बन सकता है।

कुल मिलकर, इस परियोजना का लक्ष्य यह है कि वैज्ञानिक इस प्रकार के अनुसंधान कार्यों को अभी बढ़ाने से पहले इसके परिणाम पर गंभीरता से सोच विचार कर लें कि हम अपने समाज में एआई या रोबोट परिवार चाहते हैं या नहीं। वैज्ञानिकों ने माना है कि शुरुआती तौर पर काल्पनिक कथाओं को आधार मानकर एआई की कल्पना की जाती है। फिर इस पर अनुसंधान किया जाता है। वैज्ञानिकों के सामने यह छोटी चुनौती नहीं है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी रहन-सहन, संस्कृति तथा सभ्यता को ठीक प्रकार से समझे और उसी अनुसार विकल्पों का उत्तर ढूंढे तथा प्रयोग में लाए।

जैसा कि अपने रिसर्च पेपर में डॉ. ऑस्ट्रोम ने लिखा है, 卐एआई के विश्लेषण परक क्षमता से हमें यह समझने में मदद मिल सकती है कि हम रिश्तों को सजा संवार कर पूरे परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी को रोबोट के मस्तिष्क में भर सकते हैं और इस आधार पर हम भविष्य में एआई द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले संभावित विकल्पों की कल्पना कर सकते हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मैरिनो ने अंतिम-16 में जगह बनाई; सवांगकेव, क्रूनिक ने किया प्रभावित

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में जारी एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 सीरीज के तीसरे दिन काफी रोमांच और उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले देखने को मिले। कनाडा की दूसरी वरीयता प्राप्त रेबेका मैरिनो ने जहां अंतिम-16 दौर में जगह बनाई, वहीं भारत की सहजा यामालापल्ली को लैनलाना तरारुडी से हार मिली। कनाडा की रेबेका मैरिनो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य की सारा बेजलेक को 6-0, 6-2 को सीधे सेटों से हराया। अपने शक्तिशाली ग्राउंडस्ट्रोक और प्रभावशाली सर्विस के साथ, मैरिनो ने अंतिम 16 दौर में जगह बनाई और खिताब की दावेदार के रूप में अपनी साख को फिर से पुख्ता किया। अंतिम 32 दौर के एक अन्य मुकाबले में, थाईलैंड की मनंचया सवांगकेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्लोवेनिया की दलिला जकुपोविक को 6-3, 6-1 से हराया। सावांगकेव के आक्रामक खेल और सामरिक सटीकता ने जकूपोविक को मैच में पैर जमाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रूनिक ने भी अपने अनुभव का उपयोग करते हुए क्रोएशिया की पेट्रा मार्सिंको को 6-4, 6-2 से हराया। क्रूनिक की निरंतरता और बेहतरीन शॉट चयन ने उन्हें निर्णायक जीत दिलाई। भारत की सहजा यामालापल्ली हालांकि घरेलू उम्मीदों को जिंदा नहीं रख पाई और थाईलैंड की लैनलाना तरारुडी से हार गई। दूसरे सेट में शानदार वापसी के बावजूद यामालापल्ली आखिरकार 6-3, 4-6, 6-1 से हार गई।

पूर्णिमा पाण्डेय ने वेटलिफ्टिंग में जीता रजत पदक, प्रदेश के खेल प्रेमियों में खुशी

लखनऊ। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में उत्तर प्रदेश को एक रजत पदक मिला। देहरादून में हुई वेटलिफ्टिंग की स्पर्धाओं में उत्तर प्रदेश की पूर्णिमा पाण्डेय ने यह सफलता हासिल की। इसकी खबर लगते ही उप्र के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय ने पूर्णिमा को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी के साथ उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय खेल में अब तक 6 स्वर्ण, 5 रजत व 5 कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक के साथ तालिका में 10वें स्थान पर पहुंच गया है। भारोत्तोलन के महिला 87 किग्रा+ भार वर्ग मे उत्तर प्रदेश की पूर्णिमा पाण्डेय ने कुल 216 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीता। पूर्णिमा ने इससे पहले गोवा में हुए 36वें राष्ट्रीय खेल में स्वर्ण पदक जीता था। इस स्पर्धा का स्वर्ण पंजाब की महक शर्मा ने कुल 247 किग्रा वजन उठाकर जीता जो जो उनके पिछले रिकॉर्ड 244 किलोग्राम से 3 किलोग्राम अधिक था। वहीं कांस्य पदक आंध्र प्रदेश की सत्य ज्योति ने 201 किग्रा का वजन उठाकर अपने नाम किया। इसी के साथ तीरंदाजी में भी उत्तर प्रदेश ने दो पदक पक्के किए। तीरंदाजी के पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में उत्तर प्रदेश के रोहित, नीरज चौहान, अमन सिंह यादव व मृणाल चौहान की टीम ने फाइनल राउंड में पहुंच कर पदक तय किया। इसी के साथ भारतीय स्टाइल तीरंदाजी में उत्तर प्रदेश के शुभम, जयदीप कुशवाहा, मनीष व अभिषेक की टीम भी फाइनल राउंड में पहुंच गई।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के टिकट मिलेंगे निशुल्क : हॉकी इंडिया

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया ने खेल के समावेशी, प्रशंसक-अनुकूल वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता के तहत 15 से 25 फरवरी तक होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के सभी पुरुष और महिला वर्ग के मैचों के लिए निशुल्क टिकट की घोषणा की हैं। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, हमें भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग की मेजबानी करने पर गर्व है, एक ऐसा शहर जो विश्व स्तरीय हॉकी का पर्याय बन गया है। मुफ्त टिकट की पेशकश करके, हम स्टेडियम में एक रोमांचक माहौल बनाने की उम्मीद करते हैं। यह ओडिशा और भारत के लिए वैश्विक मंच पर हॉकी के प्रति अपने जुनून को दिखाने का एक विशेष अवसर है। हॉकी इंडिया की घोषणा के अनुसार प्रशंसक को वर्चुअल टिकट प्राप्त करने के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटटिकटजेनीडॉटइन पर अपना विवरण दर्ज कराना होगा। इस ऑनलाइन प्रणाली के तहत टिकट खरीदने पर भुगतान की कोई आवश्यकता नहीं होगी। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भुवनेश्वर चरण में इंग्लैंड, स्पेन, जर्मनी, आयरलैंड और भारत की शीर्ष पुरुष टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। जबकि जर्मनी, इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन और भारत की महिला टीमें भी भिड़ेंगी। टूर्नामेंट के इस चरण के दौरान प्रत्येक टीम दो बार आपस में भिड़ेंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम 15 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ मैच के साथ अपने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम उसी दिन टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में स्पेन से भिड़ेगी।

पुरुष स्क्वैश में सेंथिल व महिलाओं में सालुंखे ने जीता स्वर्ण

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में स्क्वैश प्रतियोगिता में तमिलनाडु के वेलावन सेंथिल कुमार और गोवा की आकांक्षा सालुंखे ने क्रमशः पुरुष और महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में चैंपियन बनकर उभरे हैं। दोनों ने स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप हासिल की। स्क्वैश प्रतियोगिता रोमांचक मैचों और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ सम्पन्न हुई क्योंकि तमिलनाडु, महाराष्ट्र तथा गोवा ने पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। महिलाओं के फाइनल में आकांक्षा सालुंखे (गोवा) ने अंजलि सेमवाल (महाराष्ट्र) को सीधे सेटों 11-6, 11-9, 11-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। अंजलि ने रजत हासिल किया, जबकि तमिलनाडु की पूजा आरती आर और रथिका सीलन ने सेमीफाइनल में अपने प्रदर्शन के बाद कांस्य साझा किया।

अटारी-वाघा सीमा से हीरो एचआईएल के शीर्ष स्कोरर बनने तक: प्रेरणादायक रही है जुगराज सिंह की कहानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर जुगराज सिंह की कहानी संघर्ष, मेहनत और सफलता का प्रतीक है। कभी अटारी-वाघा सीमा पर झंडे और पानी की बोतलें बेचने वाले जुगराज ने हाल ही में समाप्त हुई पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में श्राची रार बंगाल टाइगर्स के लिए खेलते हुए टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर का खिताब जीता। उन्होंने 12 गोल किए, जिसमें फाइनल में हैदराबाद तूफान्स के खिलाफ हैट्रिक भी शामिल थी, और अपनी टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

पंजाब के अटारी में जन्मे 28 वर्षीय जुगराज का सफर आसान नहीं रहा। जब उनके पिता, जो भारतीय सेना में कुली थे, बीमार पड़ गए, तब परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई। ऐसे में जुगराज ने परिवार का सहारा बनने के लिए झंडे और पानी की बोतलें बेचनी शुरू कर दीं।

उन्होंने कहा, मैंने कभी सवाल नहीं किया कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं।

मेरे लिए परिवार पहली प्राथमिकता थी। कड़ी मेहनत ही एकमात्र रास्ता था, और मुझे भरोसा था कि यह मेरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी। हालांकि परिस्थितियां कठिन थीं, लेकिन जुगराज का हॉकी के प्रति जुनून कभी कम नहीं हुआ। सात साल की उम्र में उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया। उनके बड़े भाई, जिन्होंने पिता की नौकरी संभालने के लिए हॉकी छोड़ दी थी, ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया।

हीरो एचआईएल में शानदार प्रदर्शन

हीरो एचआईएल के अपने पहले ही सीजन में जुगराज ने शानदार खेल दिखाया। फाइनल में हैट्रिक लगाकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने। उन्होंने कहा, फाइनल में हैट्रिक बनाना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैंने इसकी योजना नहीं बनाई थी, लेकिन जब दो गोल किए, तो तीसरे के लिए गया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा व्यक्तिगत मील का पत्थर है। श्राची रार बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह के मार्गदर्शन ने भी जुगराज के प्रदर्शन को निखारने में अहम भूमिका निभाई। जुगराज ने कहा, रूपिंदर ने मुझ पर भरोसा दिखाया और पूरे टूर्नामेंट में मेरा मार्गदर्शन किया। उनकी मदद से मैं अपनी क्षमता दिखा सका।

भविष्य की योजनाएं

अब जुगराज की नजरें भुवनेश्वर में होने वाली एफआईएच प्रो लीग पर टिकी हैं, जहां वह अपने शानदार फॉर्म को जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, एचआईएल ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब मैं एफआईएच प्रो लीग में अच्छा प्रदर्शन कर भारतीय टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं।

इसके अलावा, उनका लक्ष्य विश्व कप, एशियाई खेलों और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा, मैं भारत के लिए बड़े मंचों पर प्रदर्शन करना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं अपने देश को ओलंपिक और विश्व कप में गोल्ड मेडल दिलाऊं।

कड़ी मेहनत और देश के प्रति समर्पण

अटारी-वाघा सीमा से भारतीय हॉकी के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल होने तक, जुगराज की कहानी संघर्ष और दृढ़ संकल्प का उदाहरण है। उन्होंने कहा, जब तक मैं भारत के लिए खेल सकता हूं, तब तक कड़ी मेहनत करता रहूंगा। यह देश मेरे लिए सब कुछ है, और मैं इसे गर्व का पल देना चाहता हूं।

कर्नाटक की धीनिधि देसिंघु ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में नया रिकॉर्ड बनाया

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक की युवा तैराक धीनिधि देसिंघु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में नया राष्ट्रीय खेल रिकॉर्ड बनाया। धिनिधि ने 4ः24.60 मिनट में रेस पूरी कर पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ा, जो दिल्ली की भाव्या सचदेवा (4:27.93 मिनट) के नाम था। रिकॉर्ड तोड़ जीत के बाद उत्साहित धीनिधि ने कहा, मैंने सात साल की उम्र में तैराकी शुरू की थी, और इस दौरान मेरे माता-पिता मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा रहे हैं। मेरे कोच और टीम साथी हमेशा मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। राष्ट्रीय खेलों में रिकॉर्ड बनाना मेरे लिए गर्व की बात है, और मैं इसमें और सुधार करने की उम्मीद रखती हूं। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन को लेकर उन्होंने कहा, उत्तराखंड में खेलों की सुविधाएं शानदार हैं। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में भी हमारे देश में इस तरह के और मौके मिलेंगे, जिससे खेलों को बढ़ावा मिलेगा।

इस जीत के साथ, धीनिधि ने खुद को भारत की शीर्ष युवा तैराकों में शामिल कर लिया है। जैसे-जैसे राष्ट्रीय खेल अपने अंतिम चरण में पहुंच रहे हैं, मुकाबला और रोमांचक होता जा रहा है।

मध्य प्रदेश और तेलंगाना ने बास्केटबॉल 3×3 में किया कमाल

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत आयोजित बास्केटबॉल 3×3 टूर्नामेंट का शानदार समापन हुआ, जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबलों में मध्य प्रदेश ने पुरुष वर्ग में केरल को 22-20 से हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि महिला वर्ग में तेलंगाना ने केरल को 21-11 के बड़े अंतर से पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल मुकाबले रहे रोमांचक

पुरुषों के सेमीफाइनल में केरल ने तमिलनाडु को कड़े संघर्ष में 16-15 से हराया, जबकि मध्य प्रदेश ने तेलंगाना को 18-14 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, महिला वर्ग में तेलंगाना ने तमिलनाडु को 18-11 से पराजित किया, जबकि केरल ने मध्य प्रदेश

को 13-10 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपने खेल कौशल और समर्पण को साबित किया। 38वें राष्ट्रीय खेलों ने पूरे देश से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने उत्कृष्ट खेल भावना और जुनून का परिचय दिया।

राष्ट्रीय खेल के लिए एथलेटिक्स टीम के कप्तान बने शिवपाल

एजेंसी

लखनऊ। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के लिए चयनित उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स टीम में पुरुष वर्ग में शिवपाल सिंह और महिला वर्ग में पारुल चौधरी कप्तान बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र कुमार ने उत्तर प्रदेश टीम की घोषणा करते हुए बताया कि टीम कोच बाबा दीन चौधरी, बीआर वरुण, रमेश यादव व गौरव त्यागी होंगे। मैनेजर शिवा नंद नायक, संदीप कुमार सिंह व विनीता बाजपेयी को बनाया गया है। राष्ट्रीय खेल में एथलेटिक्स की स्पर्धा आठ से 12 फरवरी तक देहरादून में आयोजित होंगी।

पुरुष टीम : शिवपाल सिंह (कप्तान), सचिन यादव, रोहित यादव (जैवलिन थ्रो), प्रिंस कुमार, अहसन (1500 मीटर), आर्यन त्यागी (शॉटपुट), अवनीश, कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), मो. शाहबान, मो. नदीम, मुकुल (हैमर थ्रो), शहनवाज

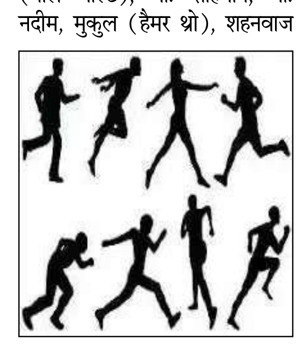

खान, आदित्य कुमार सिंह (लंबी कूद), ऋत्विक चौधरी (400 मीटर), ऋत्विक चौधरी, अनिकेत पंवार (4 गुणे 400 मिक्सड रिले), कमल सिंह (डेकाथलान), लक्ष्य (200 मीटर), सूरज पाल, शाहरुख खान (3000 मीटर स्टीपल चेज), दिव्यांशु कुमार (10,000 मीटर), राम बाबू, धनंजय यादव (पैदल चाल।

महिला : पारुल चौधरी (कप्तान), रेबी पाल, बबली वर्मा (3000 मीटर स्टीपल चेज), ख्याति माथुर, मानसी (ऊंची कूद), दीपांशी सिंह (लंबी कूद), सलोनी (जैवलिन थ्रो), सुनीता देवी (5000 मीटर), नीतिका वर्मा (डिस्कस थ्रो), नेहा पंवार, विनीता गुर्जर (1500 मीटर), राखी (800 मीटर), प्राची, रूपल (400 मीटर), तान्या चौधरी, नंदिनी, अनुष्का यादव (हैमर थ्रो), मुनीता प्रजापति, रेशमा पटेल, प्रियंका गोस्वामी (पैदल चाल), कविता यादव, अमृता पटेल (10000 मीटर), सोनम (ट्रिपल जंप), रूपल, प्राची (4 गुणा 400 मिक्सड रिले), साक्षी शर्मा (जैवलिन थ्रो), विधि (शॉटपुट)।

हरियाणा के खिलाफ रणजी क्वार्टर फाइनल के लिए सूर्यकुमार, शिवम दुबे मुंबई टीम में हुए शामिल

एजेंसी

मुंबई। सूर्यकुमार यादव को हरियाणा के खिलाफ 8 फरवरी से होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मैच के लिए मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने अपनी वेबसाइट पर उक्त जानकारी दी। यह मैच बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम, लाहली में खेला जाएगा। अजिंक्य रहाणे टीम की अगुआई करेंगे। श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल 6 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ भारत की तीन मैचों की वनडे सीरीज में शामिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की वेबसाइट पर बताया गया है कि यह मैच सूर्यकुमार को अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए कुछ समय देगा। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारियों में 28 रन बनाए हैं और भारत और राज्य के लिए सभी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अपनी पिछली

10 पारियों में सिर्फ 66 रन बनाए हैं। गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर, जो फिलहाल भारत की योजना में नहीं हैं, 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भी मुंबई के लिए अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे। ऑलराउंडर शिवम दुबे, जिन्होंने टी20 में इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें एक अर्धशतक और दो विकेट सहित 83 रन बनाए थे, को भी टीम में शामिल किया गया है। शार्दुल मेघालय के खिलाफ दोनों पारियों में चार विकेट और पहली पारी में 84 रन की पारी के लिए %प्लेयर ऑफ द मैच% का पुरस्कार हासिल किया था। अब तक सात मैचों में उन्होंने 23.95 की औसत से 24 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/43 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। बल्ले से आठ पारियों में ठाकुर ने 47.62 की औसत से 381 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्द्धशतक के साथ 101.87 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 है। होनहार युवा आयुष म्हात्रे और सूर्यांश शेड़गे भी टीम में हैं

मुंबई ने ग्रुप ए में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ लीग चरण का समापन दूसरे स्थान पर किया, जिससे उन्हें 29 अंक मिले। उनकी एक चौंकाने वाली हार जम्मू और कश्मीर के खिलाफ आई, जिसने रोहित, जायसवाल, रहाणे, अय्यर, दुबे और ठाकुर से सजी पूरी ताकत वाली मुंबई को पांच विकेट से हराया। मुंबई का लक्ष्य टूर्नामेंट में आगे बढ़ना और अपना रिकॉर्ड 43वां खिताब हासिल करना होगा।

मुंबई की टीमः

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अमोघ भटकल, सूर्यकुमार यादव, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, आकाश आनंद (विकेट कीपर), हार्दिक तमोर (विकेट कीपर), सूर्यांश शेज, शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा, रॉयस्टन डायस, अथर्व अंकोलेकर, हर्ष तन्ना।

मिजोरम, उत्तराखंड, मणिपुर और सर्विसेज ने पहले दिन दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में फुटबॉल के लीग मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। पूल ए में मिजोरम ने असम को 3-0 से हराकर दमदार शुरुआत की, जबकि उत्तराखंड ने गोवा के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत दर्ज की। पूल बी में भी मुकाबले कड़े रहे, जहां मणिपुर ने दिल्ली को 2-0 से शिकस्त दी। वहीं, सर्विसेज ने केरल को 3-0 से मात देकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इन मुकाबलों में खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे आगामी मैचों के प्रति उत्साह और बढ़ गया है। लीग मैचों ने यह साबित कर दिया कि सभी टीमें पूरे दृढ़ संकल्प के साथ मैदान में उतरी हैं, जिससे आगे और भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

अंडमान-निकोबार ने रोड साइक्लिंग में तीन और एसएससीबी ने दो पदक जीते

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रीय खेल 2025 के रोड साइक्लिंग फ़ाइनल के पहले दिन अंडमान और निकोबार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित तीन पदक अपने नाम किए। वहीं, सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने भी दमदार प्रदर्शन किया और एक स्वर्ण व एक रजत पदक जीते। महिला एलीट स्क्रैच 10 किमी रेस महिला एलीट स्क्रैच 10 किमी दौड़ में कर्नाटक की कीर्ति रंगास्वामी सी ने स्वर्ण पदक जीता। असम की चयनिका गोगोई को रजत और हरियाणा की मीनाक्षी को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

पुरुष एलीट स्क्रैच 15 किमी रेसः पुरुषों की एलीट स्क्रैच रेस 15 किमी में एसएससीबी के साहिल कुमार ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। केरल के अद्वैत शंकर एसएस ने रजत

और एसएससीबी के कृष्णा नायकोडी ने कांस्य पदक जीता।

महिला एलीट स्प्रिंट स्पर्धा

महिला एलीट स्प्रिंट में महाराष्ट्र की श्वेता बालू गुंजल ने 12.745 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। अंडमान और निकोबार की सेलेस्टिना ने 12.848 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दिल्ली की त्रियशा पॉल ने 12.799 सेकेंड में स्प्रिंट पूरी कर कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र की अगाशे शुशिकला दुर्गाप्रसाद 12.567 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं और कुछ मिली सेकेंड के अंतर से पदक चूक गईं।

पुरुष एलीट स्प्रिंट स्पर्धा

पुरुष एलीट स्प्रिंट स्पर्धा में अंडमान और निकोबार के डेविड बेकहम ने 10.691 सेकेंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। मणिपुर के लैटोनजाम रोनाल्डो सिंह ने 10.724 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि अंडमान और निकोबार के एसो ने 10.826 सेकेंड में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक जीता। रोड साइक्लिंग के पहले दिन कुल 12 पदक अलग-अलग राज्यों और बोर्ड्स के खिलाड़ियों ने जीते, जिसमें अंडमान और निकोबार के शानदार प्रदर्शन ने सबका ध्यान खींचा।

तेजस्विनी सिंह होंगी उत्तर प्रदेश महिला हैंडबॉल टीम की कप्तान

एजेंसी

लखनऊ। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में प्रतिभाग के लिए उत्तर प्रदेश की महिला हैंडबॉल टीम की कप्तान एसएसबी की तेजस्विनी सिंह को बनाया गया है। उपकप्तान रेलवे की मोना होंगी। उत्तर प्रदेश की चयनित टीम की घोषणा केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित प्रशिक्षण शिविर की समाप्ति के बाद उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने करते हुए टीम में शामिल खिलाड़ियों को किट प्रदान कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत हैंडबॉल की स्पर्धाएं रुद्रपुर में 7 से 11 फरवरी तक होगी। चयनित उत्तर प्रदेश टीम 5 फरवरी को उत्तराखंड के लिए रवाना होगी। इस अवसर पर लखनऊ जिला हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव डॉ. सुमंत पाण्डेय भी मौजूद थे।

कर्नाटक 42 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

देहरादून। कर्नाटक 42 पदकों के साथ 38वें राष्ट्रीय खेलों के पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। कर्नाटक ने अब तक 22 स्वर्ण, 10 रजत और 10 कांस्य पदक जीते हैं। सर्विसेज 38 (19 स्वर्ण, 10 रजत और 9 कांस्य) पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र ने अब तक सबसे अधिक 61 पदक अर्जित किए हैं, जिनमें 15 स्वर्ण, 26 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल हैं, जिससे यह कुल पदकों की संख्या के आधार पर सबसे आगे है, लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या कम होने के कारण तीसरे स्थान पर है।

मणिपुर ने 11 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया है, जबकि मध्य प्रदेश 10 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। हरियाणा, तमिलनाडु और दिल्ली ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। हरियाणा ने 6 स्वर्ण, 9 रजत और 18 कांस्य पदक जीतकर कुल 33 पदक हासिल किए हैं, जबकि तमिलनाडु 9 स्वर्ण, 12 रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ 34 पदकों पर पहुंच चुका है।उत्तराखंड, जो इस बार खेलों की मेजबानी कर रहा है, ने अब तक केवल 1 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य पदकों के साथ कुल 17 पदक जीते हैं, जिससे वह 19वें स्थान पर है।

राष्ट्रीय खेल में अब तक का यह रोमांचक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि विभिन्न राज्य और संघीय टीमें अपने खिलाड़ियों के बेहतरीन खेल प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ रही हैं। अगले कुछ दिनों में पदक तालिका में और बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और ओडिशा एफसी ने ड्रा खेलकर अंक बांटे

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी ने अपने घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करके नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 2-2 की बराबरी पर रोककर एक-एक अंक बांट लिया। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के लिए मोरोक्कन विंगर अलाएद्दीन अजारेई ने 67वें और 83वें मिनट में दोनों गोल किए जबकि ओडिशा एफसी के लिए सेंटर-बैक थोइबा सिंह ने 79वें और स्थानापन्न विंगर इसाक वानलालरूआत्फेला ने 90+3वें मिनट में गोल किए। मोरोक्कन विंगर अलाएद्दीन अजारेई को मैच में दो गोल करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

आज, जगरनॉट्स द्वारा संघर्षपूर्ण ड्रा खेलने से स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा जरूर राहत महसूस कर रहेंगे लेकिन मैच के ठीक बाद रैफरी सेंथिल नाथन से बहस के लिए उन्हें रेड कार्ड दिखाया। ओडिशा एफसी 18 मैचों में छह जीत, सात ड्रा और पांच हार से 25 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, हाईलैंडर्स द्वारा दो बार बढ़त लेकर ड्रा खेलने से स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली जरूर निराश होंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 19 मैचों में सात जीत, आठ ड्रा और चार हार से 29 अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर कायम है।मैच का पहला गोल 67वें मिनट में आया, जब मोरोक्कन विंगर अलाएद्दीन अजारेई ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। दाहिने फ्लैंक में मिली कॉर्नर किक पर लेफ्ट-बैक बुआंथांग्लुन सामटे ने सीधे बॉक्स के अंदर क्रॉस डालने की बजाय साथी खिलाड़ी के साथ वन-टू खेला और फिर क्रॉस सेकेंड पोस्ट की तरफ छह गज के खतरनाक इलाके में डाला, जहां मौजूद अलाएद्दीन ने हैडर करके गेंद को लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि ओडिशा एफसी के गोलकीपर अमरिंदर सिंह को बचाव का कोई मौका नहीं मिला। यह इस सीजन में अलाएद्दीन का 17वां गोल है।

79वें मिनट में सेंटर-बैक थोइबा सिंह ने गोल करके ओडिशा एफसी को 1-1 की बराबरी दिला दी। बायीं तरफ से बने हमले में स्थानापन्न विंगर इसाक वानलालरूआत्फेला ने बॉक्स के बाहर से क्रॉस सेकेंड पोस्ट की तरफ डाला, जिस पर थोइबा ने हैडर करके गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर उलझा दिया।

83वें मिनट में मोरोक्कन विंगर अलाएद्दीन अजारेई ने मैच का अपना दूसरा और सीजन 18वां गोल करके नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को फिर से बढ़त दिलाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। अटैकिंग थर्ड पर बायीं तरफ साइड लाइन के करीब मिली फ्री-किक पर स्पेनिश मिडफील्डर नेस्टर अल्बियाच ने क्रॉस डालकर गेंद को हवाई रास्ते से बॉक्स के बीचों-बीच पहुंचाया, जहां खिलाड़ियों की भीड़ में मौजूद अलाएद्दीन ने हैडर लगाकर गेंद को लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर अमरिंदर सिंह के पास इस बार भी बचाव का कोई मौका नहीं था। इसके साथ ही मोरोक्कन विंगर ने कोरो और बार्थलोम्यू ओग्बेचे के रिकॉर्ड (सीजन में 18 गोल) की बराबरी कर ली है। छह मिनट में स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+3वें मिनट में स्थानापन्न विंगर इसाक वानलालरूआत्फेला ने गोल करके ओडिशा एफसी को 2-2 की बराबरी दिला दी। ब्राजीली स्ट्राइकर डिएगो मौरिसियो के साथ वन-टू पासिंग खेलने के बाद इसाक बॉक्स के अंदर घुस गए और फिर उन्होंने करारा ग्राउंडेड राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के गोलकीपर गुरमीत सिंह अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए।

रिलायंस डिजिटल सिर्फ 30 मिनट में डिलीवर करेगा सैमसंग गैलेक्सी S25 सीरीज!

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन रिलायंस डिजिटल, 4 फरवरी 2025 को लॉन्च होने वाले बिल्कुल नए सैमसंग गैलेक्सी एस25 सीरीज फोन के लिए बिजली की गति से 30 मिनट की डिलीवरी की पेशकश कर रही है। www.reliancedigital.in के माध्यम से ऑर्डर करने वाले ग्राहक अब उसी दिन अपने डिवाइस प्राप्त कर सकते हैं। पूरे भारत में 650 से अधिक स्टोरों के अपने विशाल नेटवर्क का लाभ उठाते हुए। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि सैमसंग के प्रशंसकों को अत्याधुनिक तकनीक का अनुभव करने के लिए अब इंतजार नहीं करना पड़ेगा। निर्बाध पूर्ति प्रक्रिया कंपनी की गहन ऑम्नीचैनल क्षमताओं द्वारा संचालित होती है, जो कुशल अंतिम-मील वितरण सुनिश्चित करती है। ग्राहक चुनिंदा शहरों में www.reliancedigital.in पर ऑर्डर देकर, चेकआउट के समय 'सबसे तेज़ डिलीवरी' विकल्प चुनकर, 30 मिनट के भीतर परेशानी मुक्त डोरस्टेप डिलीवरी का आनंद लेकर इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। यह सेवा स्टोर की उपलब्धता और स्थान की निकटता के अधीन है।

यह गैर-मुद्रास्फीतिकारी बजट अर्थव्यवस्था में सभी को प्रोत्साहन देता है : तुहिन कांत पांडे

नयी दिल्ली। वित्त सचिव तुहिन कांत पांडे ने आज कहा कि आम बजट 2025-26 में सावधानीपूर्वक राजकोषीय प्रबंधन के माध्यम से गैर-मुद्रास्फीतिकारी विकास को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें सरकार की पूरी उधारी विशेष रूप से पूंजीगत व्यय में लगाई गई है। आम बजट 2025-26 पर फिक्की सम्मेलन में श्री पांडे ने कहा कि बजट का डिज़ाइन मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाए बिना विकास सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा, जब हम संख्याएँ दिखाते हैं, तो कहीं और कुछ छिपा नहीं होता। हमारी पूरी उधारी पूंजीगत निवेश में जा रही है -इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यह एक गैर-मुद्रास्फीतिकारी बजट है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15.48 लाख करोड़ के पूंजीगत व्यय कार्यक्रम में 11.21 लाख करोड़ प्रत्यक्ष केंद्र सरकार के खर्च और 4.27 लाख करोड़ पूंजीगत परियोजनाओं के लिए राज्यों को अनुदान शामिल हैं। यह दृष्टिकोण पारंपरिक पैटर्न से एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहाँ सरकारी उधारी अक्सर राजस्व व्यय को वित्तपोषित करती थी। सरकार ने अपने राजकोषीय समेकन लक्ष्यों को पार कर लिया है, चालू वर्ष के लिए अनुमानित 4.9 प्रतिशत के मुकाबले 4.8 प्रतिशत का रोजकोषीय घाटा रहा है जिसे आगामी वित्तीय वर्ष में और कम करके 4.4 प्रतिशत करने की योजना है। केंद्रीय बजट 2025-26 मांग और आपूर्ति पक्ष की अनिवार्यताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए आसन्न चुनौतियों को संतुलित करने का प्रयास करता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.08 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 76.60 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

खाद्य तेलों में टिकाव; अरहर दाल महंगी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी जारी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकलने से अरहर दाल महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में फरवरी का पाम ऑयल वायदा 76 रिंगिट चढ़कर 4628 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.02 सेंट की तेजी के साथ 47.12 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में अरहर दाल में 200 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

अनाजः अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

पूर्वोत्तर में रेलवे की बुनियादी संरचनाओं की परियोजनाओं के लिए 10,440 करोड़ रुपये आवंटित

एजेंसी

गुवाहाटी। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेलवे के लिए बजट 2025-26 में आवंटित धनराशि के संबंध में पूर्वोत्तर के मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत की। इस मौके पर पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) मुख्यालय, मालीगांव में आयोजित कार्यक्रम में पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूसीरे (निर्माण) के महाप्रबंधक अरुण कुमार चौधरी और मुख्यालय के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित थे। रेल मंत्री ने बताया कि लगातार दूसरी बार भारतीय रेल के लिए बजट में 2.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल परिव्यय आवंटित किया गया है। बातचीत के दौरान मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में चल रही सभी

परियोजनाओं की कार्य प्रगति बेहतर गति से आगे बढ़ रही है। भौगोलिक दृष्टि से कठिन भू-भाग में स्थित होने के बावजूद, उक्त परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए 24×7 कार्य किया जा रहा है। असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2014 से 1824 किमी नई पटरियों का निर्माण किया गया है, जो श्रीलंका के पूरे रेल नेटवर्क से काफी अधिक है। 2014 से पूर्वोत्तर राज्यों में 478 नए फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया गया। रेल मंत्री ने कहा कि पूसीरे में कवच के कार्यान्वयन के लिए कुल 1189 रूट किलोमीटर चिह्नित किए गए है। दोनों महाप्रबंधकों ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूसीरे के 92 स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा। पूसीरे के संपूर्ण रेल पटरियों का बिजलीकरण दिसंबर, 2025 तक पूरा हो जाएगा। महाप्रबंधकों ने बताया कि मिजोरम का भैरबी-साईरंग परियोजना भी इस साल जुलाई महीने तक पूरी होने की संभावना है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूर्वोत्तर में रेलवे की बुनियादी संरचना की परियोजनाओं के लिए सकल बजट आवंटन 10,440 करोड़ रुपये है। यह 2009-14 के दौरान 2,122 करोड़ रुपये के औसत बजट आवंटन की तुलना में 5 गुना से भी अधिक है। इस वर्ष बजट आवंटन में नई लाइन एवं दोहरीकरण परियोजनाओं, ट्रैक नवीनीकरण, परिवहन सुविधाओं, सड़क सुरक्षा कार्यों, पुल निर्माण, सिग्नलिंग, कारखानों के आधुनिकीकरण और ग्राहक सुविधाओं आदि जैसे कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है।

ई-श्रम पोर्टल पर 2024 में 1.23 करोड़ से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-श्रम पोर्टल पर 2024 में 1.23 करोड़ से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण किया गया जबकि औसतन प्रतिदिन 33,700 ई-श्रम पोर्टल पर श्रमिकों ने पंजीकरण कराया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। राज्य मंत्री करंदलाजे ने लोकसभा में बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 तक 1.23 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जबकि प्रतिदिन औसतन 33,700 श्रमिकों ने श्रम पोर्टल पर अपना नामांकन कराया है। उन?होंने सदन को बताया कि इस वर्ष 28 जनवरी तक सरकार की विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए 30.58 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। राज्य मंत्री ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल की पहुंच बढ़ाने के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय ने भाषिणी प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए 7 जनवरी, 2025 को ई-श्रम पोर्टल को बहुभाषी बनाने की शुरूआत की। इस पहल के बाद अब श्रमिकों को 22 भारतीय भाषाओं में ई-श्रम पोर्टल के साथ संपर्क का अवसर मिलता है, जिससे अवसरों तक पहुंच में सुधार हो रहा है और सभी के लिए समावेशिता को बढ़ावा भी मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि श्रम और रोजगार मंत्रालय ने आधार के साथ जुड़े असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस (एनडीयूडब्ल्यू) बनाने के लिए 26 अगस्त 2021 को ई-श्रम पोर्टल (ईश्रम डॉट.जीओवी डॉट इन) को लॉन्च किया।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन कमजोरी का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 84,040 रुपये से लेकर 84,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 77,040 रुपये से लेकर 77,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 84,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 77,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 84,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 84,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 77,090 रुपये प्रति 10 ग्राम

दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 84,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 77,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 84,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 84,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 77,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 84,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 77,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 84,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 84,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 77,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एचएफसीएल का मुनाफा 11.95 प्रतिशत घटा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी एचएफसीएल लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 82.43 करोड़ रुपये के मुकाबले 11.95 प्रतिशत घटकर 72.58 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसे 72.58 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 82.43 करोड़ रुपये की तुलना में 11.95 प्रतिशत कम है। आलोच्य अवधि में उसके राजस्व में भी 1.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 1032.31 करोड़ रुपये से कम होकर 1011.95 करोड़ रुपये पर आ गया।

एचएफसीएल के प्रबंध निदेशक महेंद्र नाहटा ने कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों के बावजूद कंपनी ने अपनी स्थिर तिमाही वृद्धि और लचीलेपन को साबित किया है। नवाचार और रणनीतिक विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता इसे निरंतर आगे बढ़ा रही है। हाल ही में भारतनेट ऑर्डर हासिल करना देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में एचएफसीएल की विशेषज्ञता को दर्शाता है और देश की ब्रॉडबैंड क्रांति में एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है।

इसके अलावा होसुर में नई रक्षा विनिर्माण इकाई की स्थापना रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम कदम है। यह पहल 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों के अनुरूप है, जिससे न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी बल्कि एचएफसीएल की क्षमता भी बढ़ेगी।

श्री नाहटा ने भविष्य की दिशा पर कहा कि एचएफसीएल अपनी तकनीकी क्षमताओं को विस्तारित करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और अपने हितधारकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने पर केंद्रित है। कंपनी को विश्वास है कि उसकी रणनीतिक पहलें दीर्घकालिक और सतत विकास सुनिश्चित करेंगी तथा उद्योग में उसकी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करेंगी।

मौद्रिक नीति समिति रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कर सकती है कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में इस हफ्ते होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती होने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आरबीआई की तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी बैठक 5 से 7 फरवरी तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को बैठक के नतीजे का ऐलान करेंगे। वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे ने एक दिन पहले जारी एक बयान में कहा कि यह समय ब्याज दरों में कटौती के लिए सही है। उन्होंने कहा कि सरकार राजकोषीय नीति के साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है, जबकि महंगाई में घरेलू और बाहरी स्तर पर गिरावट आई है। रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर रिजर्व बैंक अन्य बैंको को कर्ज देता है। इस दर में कटौती होने से बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की दरें भी घटती हैं। रेपो रेट की दर फरवरी, 2023 से 6.50 फीसदी पर यथावत बनी हुई है। रिजर्व बैंक यदि इस बार 0.25 फीसदी की कटौती करता है, तो यह 6.25 फीसदी हो जाएगी।

मालपानी पाइप्स की स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। हाई ग्रेड प्लास्टिक पाइप बनाने वाली कंपनी मालपानी पाइप्स एंड फिटिंग्स ने आज फीकी लिस्टिंग से अपने निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 4.56 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 85.90 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ। लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर 81.61 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू करके इस शेयर पर लगे लोअर सर्किट को ब्रेक कर दिया। दोपहर 11 तक के कारोबार के बाद मालपानी पाइप्स एंड फिटिंग्स के शेयर 85.70 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। मालपानी पाइप्स एंड फिटिंग्स का 25.92 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 से 31 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की

ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 146.93 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 58.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 343.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 113.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.80 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 89 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 2.08 करोड़ रुपये और 2023-24 में 7.40 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 101 प्रतिशत वार्षिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 141.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच कंपनी को 5.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 84.55 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

जनवरी में कोयला उत्पादन में तेजी, कैप्टिव, वाणिज्यिक खदानों का मजबूत योगदान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का कोयला क्षेत्र मजबूती के साथ विकास के मार्ग पर अग्रसर है। अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के दौरान उत्पादन और ढुलाई दोनों में निरंतर वृद्धि हुई है। ये आंकड़े निरंतर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने में इस क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन को रेखांकित करते हैं। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि जनवरी 2025 में कुल कोयला उत्पादन 104.43 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 100.05 मीट्रिक टन से 4.38 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2025 के लिए कैप्टिव, वाणिज्यिक और अन्य संस्थाओं का योगदान विशेष रूप से मजबूत रहा है। इसका उत्पादन बढ़कर 19.68 मीट्रिक टन हो गया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 15.01 मीट्रिक टन से 31.07 फीसदी अधिक है। बयान के

मुताबिक जनवरी 2025 तक संचयी कोयला उत्पादन 830.66 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 784.51 मीट्रिक टन से 5.88 फीसदी अधिक है। इसी तरह कोयला ढुलाई भी इस वृद्धि के अनुरूप रहा। जनवरी 2025 के दौरान कुल कोयला प्रेषण 92.40 मीट्रिक टन रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 86.92 मीट्रिक टन से 6.31 फीसदी अधिक है। जनवरी 2025 में कैप्टिव और अन्य संस्थाओं से कोयला ढुलाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में 13.64 मीट्रिक टन की तुलना में उछलकर 17.72 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो 29.94 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके साथ ही जनवरी 2025 तक संचयी कोयला ढुलाई बढ़कर 843.75 मीट्रिक टन हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 798.02 मीट्रिक टन से 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। कोयला मंत्रालय इस क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 319 अंक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने कुछ व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क लगाने और कमजोर वैश्विक रुझानों का असर हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार पर भी दिखा। यही कारण रहा कि दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। इसके साथ ही सेंसेक्स में पिछले पांच कारोबारी दिनों से जारी तेजी थम गई।कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 319.22 अंक यानी 0.41 फीसदी टूटकर 77,186.74 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 121.10 अंक यानी 0.52 फीसदी फिसलकर 23,361.05 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में गिरावट रही, जबकि 11 शेयरों में

तेजी देखने को मिली है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 शेयरो में गिरावट और 15 शेयर में तेजी रही है। इसके अलावा एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.22 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में शामिल लार्सन एंड टूब्रो, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, आईटीसी, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज में गिरावट हुई। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और मारुति में बढ़त दर्ज हुई है। इससे पहले बजट पेश होने वाले दिन सेंसेक्स 5.39 अंक यानी 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 77,505.96 पर बंद हुआ था। निफ्टी 26.25 अंक यानी 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 23,482.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

ओला इलेक्ट्रिक ने 8 नए स्कूटर किये लॉन्च

नयी फ़रवरी । ईवी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 जेन 3 पोर्टफोलियो लॉन्च करके इलेक्ट्रिक वाहन की टेक्नोलॉजी को अगले स्तर पर पहुँचा दिया है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर एडवांस्ड जेन 3 प्लेटफॉर्म पर बने हैं। इस नए पोर्टफोलियो में एस1 एक्स (2केडब्ल्यूएच) का मूल्य 79,999 रुपये से शुरू होता है। पोर्टफोलियो का सबसे महंगा स्कूटर एस1 प्रो प्लस 5.3 (केडब्ल्यूएच) 1,69,999 रुपये (आमंत्रण मूल्य) है। कंपनी ने आज यहां कहा कि जेन 3 पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा चर्चा में फ्लैगशिप एस1 प्रो प्लस 5.3 केडब्ल्यूएच और 4 केडब्ल्यूएच हैं, जिनके मूल्य क्रमशः 1,69,999 रुपये और 1,54,999 रुपये हैं। एस1 प्रो 4 केडब्ल्यूएच और 3 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्पों में क्रमशः 1,34,999 और 1,14,999 रुपये में उपलब्ध है। एस1 एक्स रेंज का मूल्य 2 केडब्ल्यूएच के लिए 79,999 रुपये, 3 केडब्ल्यूएच के लिए 89,999 रुपये और 4 केडब्ल्यूएच के लिए 99,999 रुपये है। 4 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ एस1 एक्स प्लस का मूल्य 1,07,999 रुपये है। कंपनी ने कहा कि लेटेस्ट जेन 3 एस1 स्कूटर्स के अलावा कंपनी के जेन 2 स्कूटर 35,000 रुपये तक के डिस्काउंट के साथ उपलब्ध रहेंगे, जिनके मूल्य क्रमशः 1,14,999 रुपये, 69,999 रुपये, 79,999 रुपये और 89,999 रुपये हैं। जेन 3 प्लेटफॉर्म परफॉर्मेंस, एफिशियंसी, सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढाकर अगले लेवल में ले गया है। इस पूरे पोर्टफोलियो में अब एक मिड ड्राईव मोटर और चेन ड्राईव है, जो अनुकूलित परफॉर्मेंस और विश्वसनीयता प्रदान करती है।

2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात उत्पादन के लिए 10 लाख करोड़ निवेश की जरूरत : पौंड्रिक

नई दिल्ली। इस्पात विभाग के सचिव संदीप पौंड्रिक ने आज कहा कि देश को वर्ष 2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। श्री पौंड्रिक ने वाणिज्य संगठन इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के एक कार्यक्रम में इस्पात उद्योग की बढ़ती मांग और आवश्यक निवेश पर प्रकाश डालते हुए कहा, ÷भारत में इस्पात की मांग वर्ष 2030 तक 30 करोड़ टन और वर्ष 2047 तक 70-80 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी।' आईसीसी ने विज्ञप्ति जारी कर इस आशय की जानकारी दी है।

सचिव ने कहा कि इस्पात क्षेत्र के सतत विकास के लिए तीन प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसके तहत अगले छह वर्षों में 10 करोड़ टन इस्पात उत्पादन बढ़ाकर आयात निर्भरता को कम करना, हाइड्रोजन आधारित उत्पादन जैसी कम कार्बन प्रौद्योगिकियों को अपनाना, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों को पूरा किया जा सके तथा घरेलू इस्पात उद्योग की लागत प्रभावशीलता सुनिश्चित कर उद्योग के मार्जिन और पुनर्निवेश को बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने इस्पात उद्योग में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक को अपनाने, गुणवत्ता मानकों को सुदृढ़ करने और कच्चे माल की आपूर्ति के लिए स्लरी पाइपलाइनों को विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। आईसीसी के अध्यक्ष और जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने इस्पात क्षेत्र और एमएसएमई के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा, ÷भारतीय इस्पात उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए एमएसएमई को मजबूत करना, कौशल विकास में निवेश करना और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही चीन और वियतनाम से सस्ते इस्पात के आयात से घरेलू उद्योग की रक्षा करना भी जरूरी है।'उन्होंने स्टेनलेस स्टील के बढ़ते उपयोग और इसकी पर्यावरणीय अनुकूलता पर जोर दिया, जो भारत के बुनियादी ढांचे और सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक हो सकता है।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने वैश्वीकरण से स्थानीय उत्पादन की ओर बढ़ती प्रवृत्ति पर चर्चा करते हुए कहा, 'पच्चीस साल पहले वैश्वीकरण का विचार प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पर आधारित था लेकिन पिछले एक दशक में देश अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था और नौकरियों को प्राथमिकता देने लगे हैं। कोविड-19 ने इस बदलाव को और तेज कर दिया। श्री प्रकाश ने सस्ते इस्पात आयात की आर्थिक व्यवहार्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि हालांकि कम कीमत पर इस्पात आयात करना फायदेमंद लग सकता है, लेकिन इससे घरेलू रोजगार और डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को अपनी खपत मांग को पूरा करने के लिए एक मजबूत और आत्मनिर्भर इस्पात उद्योग विकसित करना आवश्यक है।

नेपाल में अमेरिकी दूतावास पर लगा यूक्रेन के समर्थन वाला बैनर हटाया गया

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास के भवन पर यूक्रेन के समर्थन में लगाया गया बैनर हटा दिया गया है। अमेरिकी प्रशासन के निर्देशन के बाद से यह बैनर हटाया गया है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के साथ ही दुनिया भर के अमेरिकी दूतावास पर यूक्रेन के समर्थन में बैनर लगाया गया था। इसी क्रम में काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास में भी 24 फरवरी, 2022 को 'हम यूक्रेन के साथ हैं' लिखा बैनर लगाया गया था। अमेरिकी प्रशासन के निर्देश पर काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास से यूक्रेन के समर्थन वाला बैनर उतार दिया गया है। दूतावास की प्रवक्ता जहरा नकवी ने बताया कि आज से अमेरिकी दूतावास में एक झंडा नीति अपनाने का निर्देश आने के बाद से दूतावास के भवन पर लगे अमेरिकी झंडा के अलावा अन्य सभी झंडा और बैनर हटाया गया है।

चीन के बीआरआई समझौते को आगे नहीं बढ़ाएगा पनामा, नेपाल पर भी बढ़ा दबाव

काठमांडू। अमेरिकी दबाव के बाद पनामा ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) से खुद को किनारा करते हुए इसे नवीनीकरण नहीं करने का फैसला किया है। पनामा की तरह अब नेपाल सरकार पर भी बीआरआई से अलग होने का व्यापक दबाव पड़ने लगा है। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने कहा कि उनकी सरकार पनामा नहर पर अमेरिकी नियंत्रण को फिर से लागू करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बार-बार धमकियों के बाद चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में शामिल होने के लिए 2017 के सौदे को नवीनीकृत नहीं करेगी। यह निर्णय मुलिनो और अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो के बीच एक बैठक के बाद आया है। अमेरिका ने पनामा के नेताओं को चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि पनामा नहर पर चीनी प्रभाव को तुरंत कम करें या अमेरिका से संभावित प्रतिशोध का सामना करें। पनामा ने 2017 में चीन के बीआरआई पर समझौता किया था, लेकिन अब 8 वर्ष के बाद उसके नवीकृत नहीं करने का फैसला चीन के लिए एक बड़ा झटका है।पनामा की तरह नेपाल ने भी 2017 में बीआरआई के प्रारंभिक समझौते पर और पिछले वर्ष दिसंबर में बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किये थे।

ओली सरकार के छह अध्यादेशों के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने संसद में पेश किये 50 से अधिक प्रस्ताव

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कैबिनेट में लाए गए छह अलग-अलग अध्यादेशों के खिलाफ विपक्षी मोर्चा के सांसदों ने पचास से अधिक अस्वीकार प्रस्ताव संसद में पेश किये हैं। सरकार के इन अध्यादेशों पर मंगलवार से चर्चा और वोटिंग होनी है। संसद सचिवालय के प्रवक्ता एकराम गिरी ने बताया कि सुशासन प्रवर्द्धन तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाह संबंधी कानून के बदलाव लाने के लिए पेश किए गए अध्यादेश को वापस लेने की मांग करते हुए अलग-अलग दलों के 9 सांसदों हितराज पाण्डे, दुर्गा राई, शिशिर खनाल, भानुभक्त जोशी, ज्ञानु बस्नेत सुवेदी, रेखा शर्मा, प्रेम सुवाल, सुमना श्रेष्ठ और स्वर्णिम वाग्ले ने अस्वीकार प्रस्ताव पेश किये हैं। इसी तरह आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व अध्यादेश अस्वीकृत करने के लिए 6 सांसदों ने अस्वीकार प्रस्ताव पेश किया है। इनमें स्वर्णिम वाग्ले, विराजभक्त श्रेष्ठ, वर्षमान पुन, छिरिङ डम्डुल लामा, प्रकाश ज्वाला, नारायणी शर्मा और प्रेम सुवाल हैं। प्रवक्ता के मुताबिक निजीकरण कानून को संशोधन करने लिए जारी अध्यादेश कोअस्वीकार करने के लिए सात सांसदों ने अस्वीकार प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव को पेश करने वालों में माधव सापकोटा, उर्मिला माझी, सूर्यमान तामाङ दोङ, छिरिङ ल्हामु लामा, मेटमणी चौधरी, प्रेम सुवाल और सुमना श्रेष्ठ हैं।

राफा क्रॉसिंग के फिर से खुलने के बाद से गाजा के 94 मरीज पंहुचे मिस्र

काहिरा। राफा क्रॉसिंग के फिर से खुलने के बाद से गाजा पट्टी से कुल 94 फिलिस्तीनी मरीज और उनके साथ आए 125 लोग इस क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र में प्रवेश कर चुके हैं मिस्र के प्रेस सेंटर ने एक बयान में कहा, अकेले 23 मरीज और उनके 24 साथी मिस्र पहुंचे। मई 2024 से बंद राफा क्रॉसिंग के शनिवार को शनिवार को फिर से खुलने के बाद, गाजा के 37 मरीज़ों और उनके साथ आए 38 व्यक्तियों का पहला समूह शनिवार को मिस्र में दाखिल हुआ। फ़िलिस्तीनी मीडिया ने बताया कि अधिकतर मरीज कैंसर और हृदय रोग से पीड़ित बच्चे हैं। इनमें चल रहे संघर्ष में घायल हुए व्यक्ति भी शामिल हैं। गौरतलब है कि 19 जनवरी को, हमास और इजरायल के बीच संघर्ष विराम समझौते के तहत मिस्र की ओर से राफा क्रॉसिंग को फिर से खोल दिया गया। मई 2024 से, सीमा के फिलिस्तीनी हिस्से का नियंत्रण इजरायल के पास था, जिसने इसे हाल ही में हुए संघर्ष विराम समझौते तक बंद रखा था।

कांगो संकट पर शिखर सम्मलेन, तंजानिया में जुटेंगे अफ्रीकी देशों के नेता

एजेंसी

नैरोबी । दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीकी देशों के नेताओं ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के हालात पर चर्चा के लिए दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में शामिल होने का फैसला किया है। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, रुटो ने कहा कि पूर्वी डीआरसी में संघर्ष पर चर्चा के लिए दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एसएडीसी) और पूर्वी अफ्रीकी समुदाय (ईएसी) का संयुक्त शिखर सम्मेलन शुक्रवार और शनिवार को तंजानिया के दार एस सलाम में आयोजित किया जाएगा। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक बयान में रुटो ने कहा, ÷राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन (तंजानिया) ने पूर्वी डीआरसी की स्थिति पर विचार-विमर्श करने के लिए शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने पर सहमति व्यक्त की है। रूटो के अनुसार, डीआरसी के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेडी और रवांडा के

राष्ट्रपति पॉल कागमे ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने की पुष्टि की है। इससे पहले शुक्रवार को मंत्रिस्तरीय बैठक होगी। शनिवार को राष्ट्राध्यक्षों की बैठक होगी। जिन अन्य नेताओं ने भागीदारी की पुष्टि की है, उनमें दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी और सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद शामिल हैं।

29 जनवरी को ईएसी के राष्ट्राध्यक्षों ने पूर्वी डीआरसी में संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से शत्रुता समाप्त करने और तत्काल बिना शर्त युद्धविराम की अपील की थी ताकि विस्थापित लोगों तक मानवीय मदद पहुंच सके। ईएसी के सदस्य देशों में बुरुंडी, केन्या, रवांडा, सोमालिया, दक्षिण सूडान, कांगो शामिल हैं। यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इस संगठन का उद्देश्य क्षेत्र में आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है। एसएडीसी नेताओं ने की ओर से 31 जनवरी को पूर्वी डीआरसी में शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए सभी पक्षों के बीच बातचीत का रास्ता अपनाने की अपील की गई।

जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में आयोजित एसएडीसी राष्ट्राध्यक्ष और शिखर सम्मेलन के अंत में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि संगठन ने चिंता व्यक्त की है कि हाल के हमलों से डीआरसी में सुरक्षा और मानवीय स्थित खराब हो रही है।

हमास ने गाजा में मानवीय संकट की चेतावनी दी, अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई का किया आग्रह

एजेंसी

गाजा । हमास ने गाजा पट्टी को 'आपदा क्षेत्र' घोषित किया है और कहा है कि यहां अभूतपूर्व तबाही हो रही है, जिससे 24 लाख से अधिक लोगों के जीवन को खतरा है। इस विनाश से सभी मौजूदा संसाधन खत्म हो चुके हैं।

हमास के मीडिया कार्यालय ने बताया कि गाजा में 61,709 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से 47,487 की अस्पतालों में मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 14,222 लोग मलबे में लापता हैं। बयान में यह भी कहा गया कि घायलों की संख्या 111,588 तक पहुंच चुकी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के कारण 20 लाख से अधिक फिलिस्तीनियों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। इनमें से कई को बार-बार भागने की स्थिति का सामना करना पड़ा है। कार्यालय ने बताया कि युद्ध में 450,000 घरों को नुकसान हुआ, जिनमें से 170,000 पूरी तरह से नष्ट हो गए। इस युद्ध ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को भी बुरी तरह प्रभावित किया, जिसके कारण 34 अस्पतालों और 80 स्वास्थ्य केंद्रों को बंद करना पड़ा।बयान में बताया गया कि औद्योगिक, वाणिज्यिक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार क्षेत्रों के नुकसान के कारण 50 अरब डॉलर से ज्यादा का आर्थिक नुकसान हुआ है। बयान में चेतावनी दी गई कि गाजा में चल रही इजरायली नाकाबंदी के कारण हालात और खराब हो रहे हैं, जिससे खाने, पानी और दवाइयों की कमी हो गई है और सैकड़ों हजारों लोगों की जान खतरे में है। इसने संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से तुरंत मदद भेजने और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। कार्यालय ने इजरायल पर अमेरिका के समर्थन से 'संगठित युद्ध अपराध' करने का आरोप भी लगाया।

उत्तर सीरिया में कार बम विस्फोट, 15 कृषि श्रमिकों की मौत

एजेंसी

दमिश्क । उत्तर सीरिया में एक कार बम विस्फोट में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। विस्फोट अलेप्पो के पूर्व में मनबीज शहर के बाहरी इलाके में हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में सीरिया सिविल डिफेंस के हवाले से कहा गया कि धमाके में 15 महिलाएं घायल हो गईं। सिविल डिफेंस, [जिसे व्हाइट हेल्मेट्स के नाम से भी जाना जाता है], ने बताया कि मनबीज शहर के बाहरी इलाके में कृषि श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन के बगल में कार में विस्फोट हुआ, जिससे 14 महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। एजेंसी, ने कहा कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। इसने चेतावनी दी कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। किसी भी सशस्त्र समूह की ओर से तत्काल कोई दावा नहीं किया गया।

यह तीन दिनों में इस क्षेत्र में दूसरा घातक कार बम विस्फोट था। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, शनिवार को

मनबीज शहर के केंद्र में हुए विस्फोट में चार नागरिकों की मौत हो गई और बच्चों सहित नौ अन्य घायल हो गए।

सीरियाई युद्ध के दौरान मनबीज कई बार अलग-अलग गुट के हाथों में आया। सबसे हाल ही में दिसंबर में तुर्की समर्थित समूहों ने इसे अमेरिका समर्थित सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एसडीएफ) से छीन लिया था, जिसका नेतृत्व कुर्द वाईपीजी मिलिशिया करता है। एसडीएफ ने 2016 में इस्लामिक स्टेट को खदेड़ कर मनबीज पर कब्जा किया था।

बता दें दिसंबर में अल-शरा के हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व में विद्रोही गुटों ने वर्षों से दमिश्क की सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति बशर अल-असद को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया। सीरिया के सैन्य अभियान प्रशासन ने 29 जनवरी को एचटीएस प्रमुख अहमद अल-शरा को राष्ट्रपति नियुक्त करने की घोषणा की। उन्हें स्थायी संविधान की पुष्टि होने तक अंतरिम विधान परिषद स्थापित करने का अधिकार दिया गया। असद को हटने के बाद अल शरा देश के वास्तविक नेता हैं।

2025 के लिए 'पोलियो विरोधी अभियान' शुरू, पीएम शरीफ बोले - बीमारी को पूरी तरह करेंगे खत्म

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देशव्यापी 'पोलियो विरोध अभियान' की शुरुआत की। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण एशिया से पूरी तरह से पोलियो को समाप्त करने को लेकर अपनी सरकार के संकल्प की पुष्टि की। पोलियो विरोधी अभियान के शुरुआत करने के साथ ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कहा कि टीकाकरण अभियान 3 फरवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। इस अभियान के तहत लाखों बच्चों को टीका लगाया जाएगा, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पोलियो टीम गांव देहात के दुर्गम इलाकों तक पहुंचेगी, ताकि इस बीमारी को पूरी तरह से समाप्त किया जाए। हमें पूरी उम्मीद है कि हम अपनी एनर्जी को भरपूर उपयोग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में लगाएंगे। शरीफ ने कहा कि पिछले साल देशभर में पोलियो के कुल 73 मामले सामने आए थे, जिसे एक बड़ी चुनौती के रूप में पेश किया गया था। इसके अलावा, अब

तक पोलियो से जुड़ा केवल एक मामला सामने आया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने पोलियो को खत्म करने को लेकर अपना संकल्प दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई में अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक महत्वपूर्ण कारक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पोलियो एक संक्रमक रोग है। यह सीधे तौर पर तांत्रिक तंत्र पर हमला करता है और कई बार यह लकवे का कारण भी बनता है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में मल मौखिक मार्ग से फैलता है। कई बार यह दूषित पानी और खाद्य के जरिए फैलता है। इसके शुरुआती लक्षणों में थकान, सिरदर्द, उल्टी, गर्दन में अकड़न और अंगों में दर्द शामिल हैं। 200 संक्रमण में से एक संक्रमण में लकवा होता है। आमतौर पर यह लकवा पैरों पर होता है।

60 फिलिस्तीनी कैदियों को भेजा जाएगा तुर्किये, कतर, मलेशिया और पाकिस्तान

एजेंसी

रामल्लाह । इजरायल-हमास के बीच युद्धविराम के समझौते बाद इजरायली बंधकों की रिहाई का सिलसिला जारी है। इस बीच एक फिलिस्तीनी अधिकारी ने फिलिस्तीनी कैदियों के बारे में जानकारी दी है। फिलिस्तीनी अधिकारी ने बताया कि युद्ध विराम समझौते के तहत इजरायल द्वारा रिहा किए गए और वर्तमान में मिस्र में मौजूद 60 फिलिस्तीनी कैदियों को तुर्किये, कतर, मलेशिया और पाकिस्तान भेजा जाएगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, फिलिस्तीनी कैदी क्लब के प्रमुख अब्दुल्ला जगारी ने कहा कि चारों देशों में से प्रत्येक देश 15 फिलिस्तीनी कैदियों को आश्रय देगा। उन्होंने यह भी बताया कि मिस्र की नई प्रशासनिक राजधानी के एक होटल में वर्तमान में 70 फिलिस्तीनी कैदी रुके हुए हैं।

अब्दुल्ला जगारी ने बताया कि अन्य देशों के साथ बातचीत जारी है, ताकि बचे हुए कैदियों के लिए आश्रय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा भविष्य में रिहा होने वाले कुछ कैदियों को लेकर काहिरा के साथ भी बातचीत चल रही है।

मिस्र, कतर और अमेरिका ने मध्यस्थ के रूप में काम करते हुए 15 जनवरी को एक संयुक्त बयान में घोषणा की थी कि हमास और इजरायल एक युद्धविराम समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके तहत कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की जाएगी, जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच निरंतर शांति और स्थायी युद्ध विराम है। 19 जनवरी को युद्ध विराम लागू होने के बाद से हमास ने इजरायल द्वारा अपनी जेलों से सैकड़ों फिलिस्तीनियों को रिहा करने के बदले में 18 बंधकों को रिहा किया है।

टाइम्स ऑफ इजरायल की एक रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने मांग की है कि सबसे गंभीर अपराधों के दोषी फिलिस्तीनियों को गाजा पट्टी या वेस्ट बैंक में नहीं छोड़ा जाए। मिस्र ने इन व्यक्तियों को अस्थायी रूप से रखने पर सहमति व्यक्त की। फिलिस्तीनी सूत्रों के अनुसार, इससे पहले शनिवार को इजरायल ने हमास के साथ चल रहे युद्ध विराम समझौते के तहत 183 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। फिलिस्तीनी कैदी क्लब के प्रमुख अब्दुल्ला जगारी ने सिन्हुआ को बताया कि इजरायली अधिकारियों ने रिहा किए गए कैदियों को रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को सौंप दिया है। रिहा किए गए कैदियों में से 150 गाजा पट्टी से थे।

नेपाल में लड़कियों के शादी की उम्र 20 से घटाकर 18 वर्ष करने के सरकार के प्रस्ताव पर महिला आयोग की आपत्ति

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में सरकार द्वारा लड़कियों की शादी उम्र 20 वर्ष से घटकर 18 वर्ष करने के प्रस्ताव पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने आपत्ति जताई है। लड़कियों की शादी की उम्र घटाने संबंधी कानून मंत्रालय के प्रस्ताव पर संसदीय समिति में जल्द फैसला लेकर उसे संसद में पेश करने की तैयारी चल रही है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष कमल पराजुली ने देश के कानून मंत्री अजय चौरसिया को पत्र लिख कर लड़कियों की शादी की उम्र घटाने के प्रस्ताव को वापस लिए जाने की मांग की है। अपने दो पन्ने के पत्र में महिला आयोग की अध्यक्ष ने लिखा है कि केवल विवाह में यौन संबंध को आधार मानते हुए लड़कियों की शादी की उम्र को घटाना किसी भी रूप में ठीक नहीं है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने नेपाल के संविधान मौजूदा प्रावधान के अनुसार लड़के और लड़कियों की शादी उम्र को 20 वर्ष होने को ही बेहतर बताया है। पराजुली ने अपने पत्र में लिखा है कि शादी सिर्फ यौन संबंध बनाने के लिए नहीं बल्कि लड़कियों के लिए यह भावनात्मक अधिक होता है। उन्होंने कहा है कि 20 वर्ष की लड़की न सिर्फ भावनात्मक रूप से मजबूत होती हैं बल्कि उसके आत्मनिर्भर होने और अपनी आर्थिक और सामाजिक परिस्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकती है। इस समय कानून मंत्रालय की तरफ से लड़कियों की शादी की उम्र को 20 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किए जाने के पीछे यह तर्क दिया गया है कि इससे लिव इन रिलेशन वाला मामला बहुत अधिक बढ़ गया है।

ग्रीस के सेंटोरिनी में भूकंप के कारण स्कूल बंद, उठाए गए एहतियाती कदम

एजेंसी

एथेंस, । ग्रीस के सेंटोरिनी द्वीप स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल, एजियन सागर में स्थित स्कूल बंद कर दिए गए। फुटबॉल मैदानों पर टेंट लगा दिए गए हैं। अधिकारियों ने सप्ताहांत में आए भूकंपों के बाद ये एहतियाती कदम उठाए हैं। एथेंस की राष्ट्रीय वेधशाला के वैज्ञानिकों के अनुसार, शुक्रवार से अब तक सेंटोरिनी और अमोरगोस सहित आस-पास के द्वीपों में 300 से अधिक भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5 तक पहुंची है।

हालांकि, ग्रीस कई फॉल्ट लाइनों पर स्थित है और यहां प्रतिदिन भूकंप आते हैं, लेकिन 2012 के बाद से एजियन सागर के इस हिस्से में भूकंपीय गतिविधि में इतनी वृद्धि दर्ज नहीं की गई है। वैज्ञानिकों ने कहा कि उस समय, भूकंप के झटके कई महीनों तक चले, लेकिन इससे जान-

माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। सेंटोरिनी हेलेनिक ज्वालामुखी आर्क का हिस्सा है। इतिहासकारों के अनुसार, 3,600 साल पहले एक बड़े ज्वालामुखी विस्फोट के कारण विनाशकारी सुनामी आई थी, जो क्रेते तक पहुंच गई थी। हालांकि, आधुनिक इतिहास में कोई भी बड़ी ज्वालामुखी आपदा दर्ज नहीं की गई है। स्थानीय वैज्ञानिकों ने मौजूदा भूकंपों के लिए ज्वालामुखीय गतिविधि के बजाय टेक्टोनिक गतिविधि को जिम्मेदार ठहराया है। ग्रीस के भूकंप नियोजन और संरक्षण संगठन के अध्यक्ष और एथेंस के राष्ट्रीय और कापोडिस्ट्रियन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एफ़थिमियोस लेक्कास ने सेंटोरिनी से ग्रीक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी एएमएनए को बताया कि मौजूदा भूकंपीय गतिविधि और हाल के महीनों में ज्वालामुखी क्षेत्र में देखी गई गतिविधि के बीच कोई संबंध नहीं है। सेंटोरिनी में 1956 में 7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसके परिणामस्वरूप 50 लोगों की मौत हो गई थी और भारी मात्रा में भौतिक क्षति हुई थी। लेक्कास ने कहा कि इस बार, वैज्ञानिकों को उम्मीद नहीं है कि मौजूदा भूकंपीय गतिविधि रिक्टर पैमाने पर 6 से अधिक तीव्रता का कंपन पैदा करेगी, लेकिन आशंका है कि भूकंप कई हफ्तों तक चलेगा।

यूरोपीय देश बेल्जियम में नई सरकार ने ली शपथ

एजेंसी

ब्रसेल्स। यूरोपीय देश बेल्जियम में महीनों से चल रहे राजनीतिक गतिरोध के बाद नई सरकार ने शपथ ले ली। ब्रसेल्स के रॉयल पैलेस में हुए शपथ ग्रहण समारोह में बेल्जियम के राजा फिलिप के सामने प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और उनकी कैबिनेट के 14 मंत्रियों ने शपथ ली। बार्ट डी वेवर फ्लेमिश राष्ट्रवादी पार्टी न्यू फ्लेमिश एलायंस (एन-वीए) के नेता हैं और यह पहली बार है जब एक फ्लेमिश राष्ट्रवादी संघीय सरकार का नेतृत्व कर रहा है।

यह नई सरकार 'एरिजोना गठबंधन' के नाम से जानी जाती है, जिसमें 5 प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं। ये एन-वीए, फ्लेमिश क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स, समाजवादी वूरूइट, फ्रेंच-भाषी सुधारवादी आंदोलन (एमआर) और मध्यमार्गी लेस एंगेज हैं। इन दलों ने बजट कटौती, कर वृद्धि और पेंशन सुधारों पर महीनों की कठिन बातचीत के बाद एक समझौता किया, जिसका उद्देश्य बेल्जियम की सार्वजनिक वित्तीय स्थिति को स्थिर करना है।

नई सरकार की प्राथमिकताओं में रक्षा बजट बढ़ाना, स्वास्थ्य सेवा में सुधार और सख्त शरण नीति लागू

करना शामिल है। बेल्जियम में सरकार बनाने की प्रक्रिया अक्सर लंबी और जटिल होती है, क्योंकि देश के तीन प्रमुख क्षेत्र फ़्लैंडर्स, वालोनिया और ब्रुसेल्स-कैपिटल अलग-अलग आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के तहत काम करते हैं। इसके अलावा, बेल्जियम तीन भाषाई समुदायों में बंटा हुआ है। इनमें डच, फ्रेंच और जर्मन शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की अपनी क्षेत्रीय सरकारें हैं। पिछले साल जुलाई में राजा फिलिप ने बार्ट डी वेवर को संघीय सरकार बनाने का जिम्मा सौंपा था। उन्होंने गठबंधन बनाने के लिए कई राजनीतिक दलों से बातचीत की, जिसमें फ्रेंच-भाषी मूवमेंट रिफॉर्मेटर (एमआर) और लेस एंगेज, तथा डच-भाषी क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स (सीडी एंड वी) और समाजवादी वूरूइट शामिल थे। गठबंधन की बातचीत में सामाजिक-आर्थिक सुधार, स्वास्थ्य सेवा में निवेश, कम आय वाले लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने और बेरोजगारों को रोजगार देने जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। नई सरकार का गठन बेल्जियम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता को समाप्त करता है और देश को आर्थिक और सामाजिक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है।

इंडोनेशिया के उत्तर मलुकू के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी चेतावनी जारी नहीं

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत में मंगलवार तड़के 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे बड़ी लहरें नहीं उठीं। यह जानकारी देश की

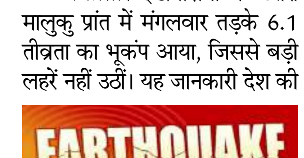

मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने दी। एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता को संशोधित करने से पहले इसकी तीव्रता 6.2 कहा था। भूकंप मंगलवार को जकार्ता के समयानुसार सुबह 04÷35 बजे (2135 जीएमटी सोमवार) आया, जिसका केंद्र उत्तरी हलमहेरा रीजेंसी में दोई द्वीप से 86 किमी उत्तर पूर्व में समुद्र तल के नीचे 105 किमी की गहराई पर स्थित था। सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई क्योंकि भूकंप से बड़ी लहरें उठने की आशंका नहीं थी।पेसिफिक रिंग ऑफ फायर नामक संवेदनशील प्रभावित क्षेत्र पर स्थित, इंडोनेशिया में अक्सर भूकंप आता रहता है।

मेक्सिको को अपराधी बनाने की कोशिश कर रहा वाशिंगटन : लैटिन अमेरिकी ब्लॉक का ट्रंप प्रशासन पर निशाना

एजेंसी

कराकास । लैटिन अमेरिकी ब्लॉक के सदस्य देशों ने टैरिफ मुद्दे पर मैक्सिको के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने अमेरिका के 'आरोप और हस्तक्षेप' को अस्वीकार किया।

बोलिवेरियन एलायंस फॉर द पीपल्स ऑफ अवर अमेरिका-पीपुल्स ट्रेड ट्रीटी (एएलबीए-टीसीपी) ने एक बयान में ट्रंप प्रशासन की तीखी आलोचना की।बयान में कहा गया कि वाशिंगटन का आरोप कि राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के नेतृत्व वाली मेक्सिको की सरकार ड्रग कार्टेल के साथ सहयोग करती है, 'निराधार' हैं। वेनेजुएला के काराकस स्थित ब्लॉक ने कहा, ÷वे मेक्सिको को अपराधी बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि हमारे क्षेत्र को प्रभावित करने वाली हिंसा और ड्रग्स तस्करी के संकट में अमेरिकी सरकार की ऐतिहासिक जिम्मेदारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। ब्लॉक ने कहा,'संयुक्त राज्य अमेरिका आपराधिक समूहों को उच्च शक्ति वाले हथियारों का मुख्य आपूर्तिकर्ता है। इसकी लापरवाह स्वास्थ्य नीतियों और दवा कंपनियों की गैरजिम्मेदारी के कारण हर साल हजारों लोगों की जान जा रही है। ब्लॉक ने संगठित अपराध से निपटने के लिए मैक्सिकन सरकार के प्रयासों के साथ-साथ 'सुरक्षा और न्याय के प्रति प्रतिबद्धताझ के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। ब्लॉक ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का उल्लंघन करने वाले एकतरफा अधिरोपण और कार्य

अस्वीकार्य हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि मेक्सिकन सरकार के आपराधिक संगठनों से संबंध हैं। इस दावे को शीनबाम ने खारिज कर दिया और मेक्सिकन सरकार के ड्रग्स तस्करी और अन्य अपराधों से निपटने कोशिशों पर प्रकाश डाला ट्रंप ने मैक्सिकन आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की भी घोषणा की। शीनबाम ने पलटवार करते हुए अमेरिकी वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ का ऐलान किया, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव और बढ़ गया। व्हाइट हाउस के उन आरोपों को खारिज करते हुए शीनबाम ने जोर देकर कहा, 'यदि कोई गठबंधन मौजूद है, तो वे संयुक्त राज्य अमेरिका के हथियार उद्योग में हैं, जो इन आपराधिक समूहों को हथियार बेचता है, जैसा कि अमेरिकी न्याय विभाग ने इस साल जनवरी में खुद पुष्टि की। शीनबाम ने कहा कि मेक्सिको किसी भी तरह के विदेशी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'हम व्हाइट हाउस के इस निराधार दावे को सिरे से खारिज करते हैं कि मैक्सिकन सरकार आपराधिक संगठनों के साथ मिली हुई है, साथ ही हमारे देश के मामलों में हस्तक्षेप करने के किसी भी प्रयास को भी। कूटनीति के महत्व पर जोर देते हुए, शिनबाम ने संघर्ष के बजाय सहयोग को मैक्सिको की प्राथमिकता बताया।

सरकार ने मशीन से बने बिना लेबल वाले कालीनों की बिक्री के खिलाफ अभियान तेज किया

श्रीनगर, 04 फरवरी । क्षेत्र के बाहर से मशीन से बने कालीनों को असली कश्मीरी हस्तनिर्मित कालीन बताकर बेचे जाने के बारे में खरीदारों और पर्यटकों की बढ़ती शिकायतों के जवाब में हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग, कश्मीर ने बेईमान कालीन विक्रेताओं पर अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है।

कई नकली उत्पादों को जब्त किया गया और गुणवत्ता नियंत्रण मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दोषी डीलरों को कड़ी चेतावनी जारी की गई।

आज श्रीनगर में जारी एक प्रेस बयान में विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह कार्रवाई स्थानीय दैनिकों में हाल ही में छपी उन रिपोर्टों के बाद की गई है जिनमें असली कश्मीरी हाथ से बुने कालीनों की आड़ में मशीन से बने तुर्की और ईरानी कालीनों की बिक्री की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण प्रभाग की प्रवर्तन शाखा ने श्रीनगर में कई थोक कालीन डीलरों का व्यापक निरीक्षण किया है और यह अभ्यास आगे भी जारी रहेगा।

निरीक्षण के दौरान टीम को तुर्की और ईरानी कालीनों का स्टॉक मिला जिनमें से कुछ पर लेबल नहीं था या आंशिक रूप से लेबल लगा हुआ था। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रथाएं उपभोक्ताओं को उत्पादों की उत्पत्ति और प्रकृति के बारे में गुमराह करती हैं जो निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि पर्यटक व्यापार और गुणवत्ता नियंत्रण अधिनियमों का उल्लंघन करने वाले डीलरों को चेतावनी जारी की जाएगी और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाएगी कि सभी उत्पादों को निर्धारित विनिर्देशों के अनुसार ठीक से लेबल किया गया है।

उन्होंने कहा कि इसमें मशीन से बने कालीनों और प्रामाणिक कश्मीरी हाथ से बुने हुए कालीनों के बीच स्पष्ट रूप से अंतर करना शामिल है। हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग ने पारदर्शिता बनाए रखने और उपभोक्ता हितों की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। अनुपालन सुनिश्चित करने और वास्तविक कश्मीरी हस्तनिर्मित कालीनों की प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए नियमित निरीक्षण जारी रहेंगे, जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि सभी हितधारकों से उद्योग को नियंत्रित करने वाले नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया जाता है। वास्तविक कारीगरों के हितों की रक्षा और कश्मीर की विरासत की प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए किसी भी विचलन या कदाचार का कठोर कार्रवाई के साथ सामना किया जाएगा।

उपायुक्त पुंछ द्वारा कैपेक्स बजट कार्यों की प्रगति की समीक्षा

पुंछ 04 फरवरी। जिला विकास आयुक्त पुंछ विकास कुंडल ने 2024-25 के लिए जिला कैपेक्स बजट के तहत भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चल रही परियोजनाओं और पहलों की विस्तृत स्थिति का आकलन किया गया।

जिला विकास परिषद, ब्लॉक विकास परिषद, और पंचायती राज

संस्थानों के तहत अपने संबंधित ब्लॉक-वार कार्यों पर व्यापक अपडेट प्रदान करते हुए, ब्लॉक विकास अधिकारियों ने वस्तुत: भाग लिया। उन्होंने निर्मित और अनिर्मित परियोजनाओं के साथ-साथ गैर-व्यवहार्य समझी जाने वाली परियोजनाओं पर भी रिपोर्ट दी।

चर्चा के दौरान, उपायुक्त ने बीडीओ को लंबित कार्यों को तुरंत शुरू करने के लिए कहा, और परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए व्यय बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धन के अधिकतम उपयोग के महत्व को सुदृढ़ करते हुए समय पर निष्पादन के लिए आवश्यक उपाय करने का भी निर्देश दिया।

कार्यकारी अभियंताओं ने उपायुक्त को अपनी-अपनी परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रत्येक इंजीनियर ने अपने चल रहे कार्यों की प्रगति, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं का अवलोकन प्रस्तुत किया। चर्चाओं में पूरी हो चुकी परियोजनाओं के साथ-साथ वर्तमान में प्रगति पर चल रही परियोजनाओं का मूल्यांकन भी शामिल था। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंताओं को आवंटित धनराशि का अधिकतम उपयोग करने का निर्देश दिया, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिक परियोजनाओं को पूरा किया जा सके। बैठक में मुख्य योजना अधिकारी, सहायक आयुक्त विकास, सहायक आयुक्त पंचायत, चिकित्सा अधीक्षक, भूजल के कार्यकारी अभियंता और लोक निर्माण विभाग सुरनकोट और मेंढर के कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे, जो वर्चुअल मोड के माध्यम से शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यूडी पुंछ के कार्यकारी अभियंता, जेपीडीसीएल पुंछ के कार्यकारी अभियंता, नगर पालिका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और शिक्षा और खेल विभाग के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे। इस बीच, उपायुक्त ने जिले में भूमि उपयोग परिवर्तन से संबंधित अनुमतियों का आकलन और निपटान करने के लिए एक और बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में एसीआर, डीएफओ, तहसीलदार हवेली, कार्यकारी अभियंता जेपीडीसीएल, कार्यकारी अभियंता, पीडब्ल्यूडी, एईई पीएचई, जीआरईएफ के अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डोडा में जेकेआरईजीपी के तहत 75 ऋण मामलों को मंजूरी

डोडा 04 फरवरी। योजना के तहत ऋण मामलों की समीक्षा और अनुमोदन के लिए जम्मू और कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम पर जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक जिला विकास आयुक्त हरविंदर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी परमजीत सिंह, सीपीओ मनेश कुमार मन्हास, जिला समाज कल्याण अधिकारी तारिक काजी, एएलसी नेहल पंडित, एआरटीओ शीतल शर्मा, जोनल मैनेजर जेके बैंक, जिला उद्योग केंद्र, रोजगार विभाग, एसबीआई, जेएंडके बैंक, पॉलिटेक्निक कॉलेज और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि भी षामिल हुए। शुरुआत में, जिला अधिकारी ने समिति को जेकेआरईजीपी योजना के बारे में जानकारी दी और जेकेआरईजीपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 97 आवेदकों की एक सूची साझा की। समिति ने सभी मामलों की जांच की, और उपस्थित 75 आवेदकों से उनके प्रस्तावित व्यावसायिक उद्यमों के संबंध में साक्षात्कार लिया गया।

कद्दू वर्गीय प्रमुख सब्जियाँ

बेलवाली सब्जियां जैसे लौकी, तोरई, तरबूज,खरबूजा, पेठा, खीरा, टिण्डा, करेला आदि की खेती मैदानी भागो में गर्मी के मौसम में मार्च से लेकर जून तक की जाती है। इन सब्जियों की अगेती खेती जो अधिक आमदनी देती है, करने के लिए पॉली हाउस तकनीक में जाड़े के मौसम में इन सब्जियों की नसर्री तैयार करके की जा सकती है। पहले इन सब्जियों की पौध तैयार की जाती है तथा फिर मुख्य खेत में जड़ो को बिना क्षति पहुँचाये रोपण किया जाता है।

किस्म व संकर प्रजातियाँ

खीरा - पोइंसेट, जापानीज, लौंग ग्रीन, पूसा संयोग तथा पूसा उदय

लौकी - पूसा नवीन, पूसा संदेश, पूसा संतुष्टि, पूसा समृद्धि, पी.एस.पी.एल. तथा पूसा हाइब्रिड-3

करैला - पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, पूसा हाइब्रिड-1 व पूसा हाइब्रिड-2

तोरी - पूसा सुप्रिया, पूसा स्नेहा, पूसा चिकनी, पूसा नसदार, सतपुतिया, पूसा नूतन व को-1

चप्पन कद्दू - आस्ट्रेलियन ग्रीन, पैटी पेन, अर्ली येलो, पूसा अलंकार व प्रोलिफिक

कद्दू - पूसा विशवास, पूसा विकास, अर्का चंदन व पूसा हाइब्रिड-1

उर्वरण व खाद - ज्यादातर बेल वाली उपरोक्त सब्जियों में खेत की तैयारी के समय 15-20 टन/हेक्टेयर गोबर की खाद व 80 कि.ग्रा. नत्रजन, 50 कि.ग्रा. फास्फोरस तथा 50 कि.ग्रा. पोटाश की आवश्यकता होती है।

बीज बुवाई - खेत में लगभग 45 से.मी. चौड़ी तथा 30-40 से.मी. गहरी नालियाँ बना लें। एक नाली से दूसरी नाली की दूरी फसल की वेल की बढ़वार के अनुसार 1.5 की. से 5 मी. तक रखें। बुवाई से पहले नालियों में पानी लगा दें। जब नाली में नमी की मात्रा बीज बुवाई के लिए उपयुक्त हो जाए तो बुवाई के स्थान पर मिटटी भुरभुरी करके 0.05 से 1.0 मी. की दूरी पर बीज बोएँ।

बुवाई का समय - बसंत-गर्मी की फल बुवाई फरवरी-मार्च में करते हैं तथा वर्षा के मौसम जून के अंत से जुलाई माह में करते हैं।

फसल की आवश्यकतानुसार समय-समय पर पानी का प्रबंध करें तथा सिंचाई व निराई-गुड़ाई नालियों में ही करें।

पाली हाउस विधि से अगेती खेती

कद्दूवर्गीय सब्जियों की उत्तर भारत में मैदानी क्षेत्रों में गर्मी के मौसम के लिए अगेती फसल तैयार करने के लिए पॉली हाउस में जनवरी माह में झोपड़ी के आकार का पॉली हाउस बनाकर पौध तैयार कर लेते हैं। पौधे तैयार करने के लिए 15 ग 10 से.मी. आकार की पॉलीथीन की थैलियों में 1:1:1 मिटटी, बालू व गोबर की खाद भरकर जल निकास की व्यवस्था हेतू सुए की सहायता से छेद कर लेते हैं। बाद में इन थैलियों में लगभग 1 से.मी. की गहराई पर बीज बुवाई करके बालू की पतली परत बिछा लेते हैं तथा हजारे की सहायता से पानी लगाते हैं। लगभग 4 सप्ताह में पौधे खेत में लगाने के योग्य हो जाते हैं। जब फरवरी माह में पाला पड़ने का डर समाप्त हो जाये तो पॉलीथीन की थैली को ब्लेड से काटकर हटाने के बाद पौधे को मिट ?टी के साथ खेत में बनी नालियों की मेंढ़ पर रोपाई करके पानी लगाते हैं। इस प्रकार लगभग एक से डेढ़ माह बाद अगेती फसल तैयार हो जाती है जिससे किसान अगेती फसल तैयार करके ज्यादा लाभ कमा सकता है।

बीज दर - विभिन्न फसलों के लिए बीज दन निम्न प्रकार है

खीरा 2.2-2.5 कि.ग्रा., लौकी 4-5 कि.ग्र., करेला 6-7 कि.गा्., कद्दू 3-4 कि.गा., तौरी 5--.5 कि.ग्रा., चप्पन कद्दू 5-6 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर

उपज-फसल अनुसार निम्न प्रकार है

खीरा 100-120 क्विंटल, लौकी 250-420 क्विंटल, करेला 75-120 क्विंटल, कद्दू 250-500 क्विंटल, तौरी 100-130 क्विंटल, चप्पन कद्दू 50-60 क्विंटल/हेक्टेयर

कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी

- बेल वाली फसलें जैसे खीरा, घीया, तोरी करेला व कद्द में तुड़ाई तब करें जब वे कच्चे व मुलायम हों।
- तुड़ाई कैंची की मदद से करें तथा डंठल सहित (4-5 से.मी.) फलों को तोड़ें।
- रंग व आकार के आधार पर श्रेणीकरण कर पैकिंग करें।
- पैक किये गये फलों को शीघ्र मण्डी या शीतगृह में रखें।
- पैक किये गये फलों को काट कर (छल्लानुमा) स्वच्छ जगह पर सुखाएँ एवं पालीथीन के थैलों में सील करके भण्डारित करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल कद्द भृंग (रैड पम्पकिन बीटल)

इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों ही फसल को हानि पहुँचाते हैं। वयस्क कीट पौधों के पत्ते में टेढ़े-मेढ़े छेद करते हैं जबकि शिशु पौधों की जड़ों, भूमिगत तने व भूमि से सटे फलों तथा पत्तों को नुकसान पहुँचाते हैं।

प्रबंधन

1. फसल खत्म होने पर बेलों को खेत से हटाकर नष्ट कर दें।

2. फसल की अगेती बुवाई से कीट के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

3. स्तंरी रंग के भृंग को सुबह के समय इकट्ठा करके नष्ट कर दें।

4. कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.ली.फलिटर या एमामेक्टिन बैंजोएट 5 एस.जी. 1 ग्राम/2 लिटर या इन्डोक्साकार्ब 14.5 एस.सी. 1 मि.लि./2 लिटर का छिड़काव करें।

5. भूमिगत शिशुओं के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. 2.5 लिटर/हेक्टेयर हल्की सिंचाई के साथ इस्तेमाल करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

इस कीट की मक्खी फलों में अंडे देती है तथा शिशु अंडे से निकलने के तुरंत बाद फल के गूदे को भीतर ही भीतर खाकर सुरंगें बना देते हैं।

प्रबंधन

1. खेत की निड़ाई करके प्यूमा को नष्ट कर दें।

2. ग्रसित फलों को भी कत्रित करके नष्ट कर दें।

3. मक्खियों को आकर्षित कर मारने के लिए मीठे जहर, जो एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 5 मि.लि./लिटर व 1 प्रतिशत चीनी/गुड़ (25 ग्राम/लिटर) से बनाया जा सकता है, का 50 लिटर/हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। फल मक्खी रात को मक्खी के पौधों के पत्तों की निचली सतह पर विश्राम करती है इसलिए कद्दू वर्गीय फसलों के खेत के पास मक्खी लगाने व उस पर छिड़काव करने से इस कीट को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

4. फल मक्खी के नरों को आकर्षित करने के लिए मिथाइल करने से इस कीट को नियंत्रित किया जा सकता है।

3. सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई)

इस कीट के शिशुओं व वयस्कों के रस चुसने से पत्ते पीले पड़ जाते हैं। इनके मधुबिन्दु पर काली फफूंद आने से पौधों की भोजन बनाने की क्षमता कम हो जाती है।

इस कीट की रोकथाम के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

4. चिंचिड़ा सेमी लूपर

यह कीट केवल चिंचिड़ा को ही हानि पहुँचाता है। अधिक प्रकोप की अवस्था में इसकी इल्लियाँ पौधों के पत्तों को खकर खत्म कर देती हैं।

प्रबंधन

1. इल्लियों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।

2. नीम बीज अर्क (5 प्रतिशत) या बी.टी. 1 ग्राम/लिअर या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या काब्रोरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 मि.लि./लिटर या स्पिनोसेड 45 एस.सी. 1 मि.लि./4 लिटर का छिड़काव करें।

5. चेपा (एपिड)

चेपा लगभग सभी कद् ?दू वर्गीय फसलों पर आक्रमक करते हैं। ये पौधों के कोमल भागों से रस चूसकर फसल को हानि पहुँचाते हैं।

प्रबंधन

1. लेडी बर्ड भृंग का संरक्षण करें।

2. नाइट्रोजन खाद का अधिक प्रयोग न करें।

3. इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या क्विनलफॉस 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

सर्दियों में उचित प्रबंधन अपनाएं, बागों से खूब लाभ कमाएं

शीत ऋतु की ठंड, शीत लहर, मेघाच्छन्न दिन-रात भले ही सामान्य जीवन की गतिविधि को प्रभावित करते हैं, परंतु, बागवान भाइयों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समय बागों में किए गए कृषि कार्यों का पौधों की उत्तरजीविता एवं फलन पर दूरगामी प्रभाव होता है। अब की मेहनत कल काम आएगी, जान लें कि कैसे।

फलों के अच्छे और उच्च गुणवत्ता के उत्पादन के लिए बगिया की देखभाल अति आवश्यक है। फलदार पौधों की बहुवर्षीय प्रकृति के कारण इनकी देखभाल तथा रखरखाव धान्य फसलों से भिन्न होता है। इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण फलों में जनवरी व फरवरी में की जाने वाली प्रमुख कृषि क्रियाओं का विवरण दिया गया है।

आम का पेड़ चाहे विशेष देखरेख

इस मौसम में पौधों, विशेषकर नवस्थापित बागान को पाले से बचाना अति आवश्यक है। जनवरी में नर्सरी में लगे पौधों को पाले से सुरक्षा के लिए छप्पर से ढकना चाहिए। वहीं दूसरी ओर छोटे पौधों को भी पुआल से ढक दें। पाले से बचाव के लिए बाग में समय-समय पर हल्की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। आम के नवरोपित बागों की सिंचाई करें।

इस समय लगने वाले बौरों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। इन्हीं पर फलोत्पादन निर्भर करेगा। जनवरी के प्रथम सप्ताह में आने वाले बौर में फल नहीं लगते और ये अक्सर गुच्छे का रूप धारण कर लेते हैं। अत: ऐसे बौर को निकालकर नष्ट कर दें। आम में उर्वरक देने का यह सही समय है। नाइट्रोजन 500 ग्राम, फॉस्फोरस 500 ग्राम तथा पोटाश 700 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें। इन्हें मिट्टी में मिलाकर हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फरवरी में थालों की गुड़ाई करें।

फुदका या तेला (मैंगो हॉपर) के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड (0.3 प्रतिशत) तथा चूर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए केराथेन (20 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में) का छिड़काव फरवरी के अंतिम सप्ताह में अवश्य करें। फरवरी में छोटे पौधों के ऊपर से छप्पर हटा दें।

मीलीबग (गुजिया) के बचाव के लिए वृक्षों के तने पर पॉलीथीन की 3 फुट चौड़ी पट्टी बांध दें एवं 250 ग्राम प्रति वृक्ष की दर से क्लोरपॉयरीफॉस धूल (1.5 प्रतिशत) को पेड़ के चारों ओर की मिट् ?टी में मिश्रित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भूमि की सतह पर परभक्षी ब्यूवेरिया बेसियाना (2 ग्राम प्रति लीटर, 1म107 बीजाणु प्रति मि.ली.) अथवा 5 प्रतिशत नीम बीज के गिरी सतत? का प्रयोग प्रौढ़ कीटों को मारने के लिए करें।

ध्यान रखने योग्य बात है कि इन्हीं दिनों पौधों पर फूल आते हैं और यदि किसी भी कीटनाशी का प्रयोग फूलों पर किया गया तो संपूर्ण परागण न होने से कम फल लगेंगे।

नीबूवर्गीय फलों का कल्याण, भरेगा धन-धान्य

जनवरी में एक-दो सिंचाई करें तथा पाले से बचाने के हर संभव उपाय करें। मूलवृत्त तैयार करने के लिए बीज की बुआई पॉलीथीन में करें। प्रति पौधा 400 ग्राम नाइट्राजेन, 200 ग्राम फास्फोरस तथा 400 ग्राम पोटाश का प्रयोग 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद के साथ करके हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फरवरी में फूल आने से कुछ दिन पहले सिंचाई न करें अन्यथा सभी फूल झड़ सकते हैं। यदि फूलों या फलों में गिरने की समस्या अधिक हो तो 2-4,डी (10 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में घोलकर) का छिड़काव करें। फल लगते समय पर्याप्त मात्रा में नमी बनाए रखें। नए पौधे तैयार करने हेतु फरवरी मे अंत में कलिकायन (बडिंग) की जा सकती है।

अंगूर की देखभाल, करे मालामाल

बेहतर अंगूर उत्पादन हेतु, वार्षिक काट-छांट अत्यंत आवश्यक है। उत्तरी भारत में अंगूर की काट-छांट के लिए जनवरी सबसे उपयुक्त माह है। काट-छांट के बाद कटे भाग पर नीले थोथे का घोल लगाना न भूलें, ताकि किसी भी व्याधि के प्रकोप से बचा जा सके। काट-छांट किया अंगूर के पौध में प्रथम वर्ष गोबर/कम्पोस्ट खाद के अलावा 100 ग्राम नाइट्रोजन, 60 ग्राम फॉस्फेट व 80 ग्राम पोटाश प्रति पौधा आवश्यक होता है। 5 वर्ष या इससे ऊपर यह मात्रा बढ़कर 500 ग्राम नाइट्रोजन, 300 ग्राम फॉस्फेट व 400 ग्राम पोटाश हो जाती है। फॉस्फोरस की सम्पूर्ण मात्रा तथा नाइट्रोजन व पोटाश की आधी मात्रा काट-छांट के बाद जनवरी में दें। उर्वक डालने के बाद हल्की सिंचाई करें।

कटी हुई शाखाओं से 30-40 सें.मी. आकार की कलमें तैयार कर लें तथा इन्हें 10-15 दिनों तक नम भूमि में दबाने के बाद पौधशाला में लगा दें। बेहतर परिणाम हेतु कलमों को 500-1000 पीपीएम इंडोल ब्यूटाइरिक अम्ल से उपचारित भी किया जा सकता है। उत्तरी भारत में अंगूर के नए बाग लगाने का भी यही उपयुक्त समय है। फरवरी में चूर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए केराथेन (0.1 प्रतिशत) का छिड़काव करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

पपीते की निगरानी, बढ़ाए आमदनी

पपीते को पाला अत्यधिक हानि पहुंचाता है। अत: जनवरी में पाले से बचाने के लिए पर्याप्त प्रबंध करें। पौधों को पुआल से ढक दें तथा समय पर सिंचाई करते रहें।

पुआल को फरवरी के अंत में हटा दें। 25 ग्राम नाइट्रोजन, 50 ग्राम फॉस्फोरस तथा 100 ग्राम पोटाश का प्रयोग फरवरी में प्रति पौधा की दर से करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। पपीते के नवरोपित बागों की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

बेर की निगरानी, ना बरतें असावधानी

बेर में चूर्णिल आसिता रोग अत्यधिक हानि पहुंचाता है। इससे बचने के लिए फरवरी में 0.2 प्रतिशत केराथेन का छिड़काव करें। 15 दिनों के अंतराल पर दोबारा यही छिड़काव करें। फरवरी के अंत में किसान बेर के पौधे भी लगा सकते हैं। फरवरी में बेर की अगेती .किस्में पकने लगती हैं। फलों को अच्छी दशा में बनाए रखने के लिए, तुड़ाई सुबह या शाम को ही करनी चाहिए। तुड़ाई के समय फलों को उनके रंग एवं आकार के आधार पर छांटकर श्रेणीकृत किया जाना चाहिए।

छंटाई उपरांत फलों को कपड़े की चादरों, जूट के बोरो, नाइलोन की जालीदार थैलियों बांस की टोकरियों, लकड़ी अथवा गत्तों के डिब्बों में रखकर बाजार भेजा जा सकता है।

बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

सही ज्ञान से रखें शीतोष्ण फलों का ध्यान

शीतोष्ण वर्गीय फलों के बाग लगाने का सही समय जनवरी है। यदि किसी कारणवश दिसंबर में छंटनी न कर पाएं हों तो जनवरी में इन फलवृक्षों की छंटाई अवश्य करें। छंटाई, सधाई प्रणाली को ध्यान में रखकर करनी चाहिए। कटे भाग पर चौबटिया लेप (सिंदूर - कॉपर कोर्बोनेट - अलसी तेल 1:1:1.25) लगा दनो चाहिए। दो प्रतिशत डोमेंट (सर्वो बागान छिड़काव तेल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम छिड़काव तेल) का प्रयोग सैन जोस स्केल और चिचड़ी की रोकथाम के लिए किया जा सकता है। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फलदार व छोटे पौधों में गोबर की खाद तथा फॉस्फोरसयुक्त उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। कीटों एवं रोगों की रोकथाम के लिए यदि दिसंबर में कोई छिड़काव न कर पाए हों तो जनवरी के प्रथम सप्ताह में यह कार्य संपूर्ण करें। बागों में जनवरी में उर्वरक देना भी न भूलें।

बनी रहे लीची की मधुरता

जनवरी में पाले से सुरक्षा के प्रबंध अवश्य करें। फरवरी में लीची में फूल आते समय सिंचाई न करें, क्योंकि इससे फूलों के गिरने की आशंका होती है। फूल आने से पहले एवं बाद में पानी की समुचित व्यवस्था करें। चूर्णिल आसिता रोग के प्रकोप से बचने के लिए लीची में संस्तुत रसायनों का प्रयोग करें। कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट की आधी मात्रा अर्थात 1.5 कि.ग्रा. प्रति पौधा फरवरी में प्रयोग करें। लीची के नवरोपित बागों की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

स्ट्रॉबेरी में बना रहे माधुर्य

जनवरी में स्ट्रॉबेरी के खेत में निराई-गुड़ाई करें। यदि पलवार न बिछाई गई तो वांछित पलवार जैसे पुआल या पॉलीथीन का प्रयोग करें।

फलों में उच्च गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए फरवरी के शुरू में जिब्रेलिक अम्ल (75 पी.पी.एम.) का छिड़काव करें तथा समय पर सिंचाई करते रहें। पत्तियों पर यदि धब्बे दिखाई पड़ें तो डाईथेन-एम-45 (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) या बाविस्टीन (1 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।

पहाड़ी क्षेत्रों में किसान स्ट्रॉबेरी को केवल नए पौधे तैयार करने के लिए लगाते हैं। अत: यदि फरवरी के अंत में पौधों पर फूल आ रहे हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें। परंतु मैदानी भागों में किसान ऐसा न करें। मैदानी भागों में फरवरी में स्ट्रॉबेरी की फसल तैयार हो जाती है। इसे तोड़कर, 250 ग्राम के पैकेट में पैक कर बाजार भेजने की व्यवस्था करें।

बनी रहे अमरूद की मिठास

जनवरी में अमरूद के बागों में फलों की तुड़ाई का कार्य जारी रखें। तुड़ाई का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है। फलों को उनकी किस्मों के अनुसार अधिकतम आकार तथा परिपक्व हरे रंग (जब फलों के सतह का रंग गाढ़े से हल्के हरे रंग मे परिवर्तित हो रहा हो) पर तोड़ना चाहिए। इस समय फलों से एक सुखद सुगंध भी आती है। सुनिश्चित करें कि अत्यधिक पके फलों को तोड़े गए अन्य फलों के साथ मिश्रित नहीं किया जाए। प्रत्येक फल को अखबार से पैक करने से फलों का रंग और भंडारण क्षमता बेहतर होती है। फलों को पैक करते समय उन्हें एक-दूसरे से रगड़ने पर होने वाली खरोंच से भी बचाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि बक्से के आकार के अनुसार ही उनमें रखे जाने वाले फलों की संख्या निर्धारित हो। जनवरी में पत्तियों पर कत्थई रंग आना सूक्ष्म तत्वों की कमी के कारण होता है।

अत: कॉपर सल्फेट तथा जिंक सल्फेट का 0.4 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। फरवरी में आने वाले फूलों को तोड़ दें, ताकि वर्षा ऋतु में आने वाली कम गुणवत्ता वाली फसल की अपेक्षा जाड़े वाली अच्छी फसल को न लेने के लिए फूलों की तुड़ाई के अतिरिक्त नेप्थेलीन एसिटिक अम्ल (100 पी.पी.एम) का छिड़काव करें एवं सिंचाई कम कर दें। फरवरी के दूसरे पखवाड़े में छंटाई का कार्य शुरू किया जाना चाहिए। यह मार्च के प्रथम सप्ताह तक जारी रखा जा सकता है।

पिछले मौसम में विकसित शाखाओं के 10-15 सें.मी. अग्रभाग को काट देना चाहिए। इसके अतिरिक्त, टूटी हुई, रोगग्रस्त, आपस में उलझी शाखाओं को भी निकाल देना चाहिए। छंटाई के तुरंत बाद कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (2-3 प्रतिशत) का छिड़काव अथवा बोर्डो पेस्ट का शाखाओं के कटे भाग पर लेपन करना चाहिए। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। अमरूद के नवरोपित बागों की सिंचाई करें।

फालसा-बात काट-छांट की

उत्तरी भारत में फालसे में जनवरी में गहन काट-छांट करनी चाहिए। काट-छांट के बाद कटे भागों पर बोर्डोलेप लगाएं। पौधों को उपयुक्त मात्रा में गोबर की खाद और उर्वरक दें। शीत ऋतु में की जाने वाली मेहनत, वसंत में खिलने वाली वाली स्वस्थ कोपलों के रूप में जब खिलती है तब बागबान के मन को मिलने वाले सुख का पारावार नहीं होता है। शीत ऋतु में किए जाने वाले कृषि कार्यों में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए। तो इन हिदायतों पर गौर करें और फलों की सफल खेती करें। उत्तरी भारत में, आंवला के फलों की तुड़ाई जनवरी-फरवरी तक जारी रह सकती है।

by: C M Sharma